सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड: 100 विकेट और 1000 रन बनाने.. -पेज: 7

'स्ट्रीट फाइटर से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं विद्युत -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 247 | मंगलवार 16 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

वोट चोरी कांग्रेस का मुद्दा, इंडिया गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं: उमर

नई दिल्ली एजेंसी: जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे से सोमवार को खुद को अलग कर लिया और कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया का इससे कोई लेना-देना नहीं है। इससे एक दिन पहले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयुक्तों पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वोट चोरी सत्ताधारी पार्टी के डीएनए में है और उसके नेता गद्दार हैं जो लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश रच रहे हैं और उन्हें सत्ता से हटाया जाना चाहिए। अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस विपक्षी ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन में एक घटक है। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की संख्या के हिसाब से कांग्रेस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है।

पीएम मोदी को अपशब्द कहने पर संसद में हंगामा, नड्डा ने कांग्रेस पर उठाए सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। शीतकालीन सत्र का यह आखिरी सप्ताह है। आज भी दोनों सदनों में सामान्य रूप से कामकाज देखने को मिला। हालांकि कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी पर भाजपा ने संसद में आपत्ति जताई। खुद जेपी नड्डा ने इसको लेकर सोनिया गांधी से माफी की मांग की। राज्यसभा में 'चुनाव सुधार' के मुद्दे पर चर्चा हुई। लोकसभा में 'अनुदान के लिए पूरक मांगें (2025-26, पहला बैच)' पर चर्चा हुई। राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में भारत के रूपांतरण हेतु परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास विधेयक, 2025 को प्रस्तुत किया। आज की कार्यवाही - राज्यसभा में सोमवार को सदन के नेता जे पी नड्डा ने एक दिन पहले

कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध लगाए गए नारों की कड़ी निंदा करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से देश से माफी मांगने को कहा। उच्च सदन की बैठक शुरू होते ही नड्डा ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि कल यहां कांग्रेस की रैली में मोदी तेरी कब्र खुदेगी, आज नहीं तो कल खुदेगी के नारे लगाए गए। उन्होंने कहा, इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और आदरणीय सोनिया गांधीजी को पूर देश से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को इस सदन के माध्यम से देश से माफी मांगनी चाहिए। सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने और इस संबंध में एक नया कानून बनाने के लिए लोकसभा में विधेयक लेकर आ सकती है। नए विधेयक का नाम ह्यविकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (विकसित भारत-जी राम जी) विधेयक, 2025 होगा।

कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध

राज्यसभा में सोमवार को सदन के नेता जे पी नड्डा ने एक दिन पहले कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध लगाए गए नारों की कड़ी निंदा करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से देश से माफी मांगने को कहा।

विधेयक की प्रतियां लोकसभा सदस्यों को बांटी गई हैं। विधेयक का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है, जिसके तहत अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने वाले प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को हर वित्त वर्ष में 125 दिन के रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र स्व-शासन वाले संस्थान बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान, 2025 विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने विधेयक पेश किये जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता का उल्लंघन करता है और उनकी स्वतंत्रता का क्षरण करता है। राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निर्वाचन आयोग और भाजपा नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आयोग पर पक्षपात करने का आरोप लगाया वहीं भाजपा के बारे में कहा कि उसकी जान ईवीएम में बसती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई राज्यों में वोट चोरी होने का प्रमाण दिया है लेकिन आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी बिहार में सरकार के कदमों पर रोक नहीं लगायी गयी जबकि कई राज्यों में सरकार के कदमों पर रोक लगा दी गयी। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने सोमवार को मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के पूरी तरह विफल होने का दावा किया तथा आर्थिक विकास दर मापने की नयी पद्धति पर सवाल खड़े किये। कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने लोकसभा

59 लाख वोटर हटे, ममता के भवानीपुर में 45 हजार फर्जी मतदाता ! समझिए बंगाल का पूरा एसआईआर

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद आंकड़े आ गए हैं कि कितने वोटर कटे हैं। यह पहली रिपोर्ट है। लेकिन चुनाव आयोग की तरफ से जारी पहली रिपोर्ट के अनुसार 59 लाख वोटरों के नाम कट सकते हैं। हालांकि जब तक 16 तारीख को पहला ड्राफ्ट नहीं आ जाताष नई वोटर लिस्ट का 16 दिसंबर को ड्राफ्ट पब्लिकेशन होगा। इसके बाद लोगों की आपत्तियां और दावे लेने का दौर शुरू होगा। चुनाव आयोग बकायदा ऑफिशियल जारी करेगा। लेकिन जो चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार 59 लाख वोट कट गए हैं। साउथ 24 परगना में। विधानसभा पर्टिकुलर विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो चौरंगी विधानसभा है। वहां 75,000 वोट कट गए हैं। 75,000 वोट एक

विधानसभा में कट गए हैं। इसके अलावा जहां पे ज्यादा कटे हैं उसमें कोलकाता की सीट है, हुगली की सीट है, जोरापाखी एक विधानसभा क्षेत्र है, वहां कटा है। अब जिन विधानसभा क्षेत्रों के बारे में आपकी रुचि होगी, जैसे ममता बनर्जी की भवानीपुर। ममता बनर्जी की भवानीपुर में 44787 करीब-करीब 45,000 वोटर कट गए हैं। शुभेंदु अधिकारी का नंद्रीाम यहां कुल वोटरों की संख्या थी 21,000 इसमें से 10,000 कुछ वोट कटे हैं। यह एक करोड़ वोटर वह बताए जा रहे हैं जिनका पश्चिम बंगाल में 2002 में हुए एसआईआर के बाद बनी वोटर लिस्ट में नाम मैच नहीं कर रहे हैं। इनके अलावा इतनी बढ़ी संख्या में वोटरों में कुछ के बाहरी होने का भी संदेह है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में सभी बांग्लादेश, म्यांमार या अन्य किसी देश के नागरिक हों। इन वोटरों की पुरानी एसआईआर वाली लिस्ट से मैपिंग नहीं हो पाई है।

इसलिए इन्हें नोटिस देकर इनकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इस बीच सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल सीईओ ऑफिस से दो दिन पहले नई वोटर लिस्ट के बारे में कुछ जानकारी साझा की गई थी। जिसमें बताया गया था कि बंगाल की बन रही नई वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में रर लाख से अधिक चुक वोटरों के नाम कटे हुए होंगे। यह वोटर वो हैं। जो मर चुके हैं, स्थायी रूप से बंगाल छोड़ चुके हैं और डुप्लीकेट वोटर होने समेत अन्य कई तरह की विसंगतियों वाले वोटर पाए गए हैं। सूत्रों का कहना है

दिल्ली से लंदन, वहां से जर्मनी...संसद के शीतकालीन सत्र के बीच राहुल की यात्रा, बीजेपी ने बताया विदेशी नायक

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार तड़के करीब 3:20 बजे नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से बीए 142 की फ्लाइट से लंदन के लिए रवाना हुए। वे बाद में जर्मनी जाएंगे, जहां 17 दिसंबर को बर्लिन में सांसदों और भारतीय प्रवासी समुदाय से उनकी मुलाकात होनी है।अपनी विदेश यात्रा से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी की यात्रा के समय को लेकर उन पर निशाना साधा। पार्टी ने उन्हें 'विदेश नायक' और 'पर्यटन नेता' करार दिया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यह भी बताया कि गांधी की 15 से 20 दिसंबर तक की जर्मनी यात्रा संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के साथ मेल खा

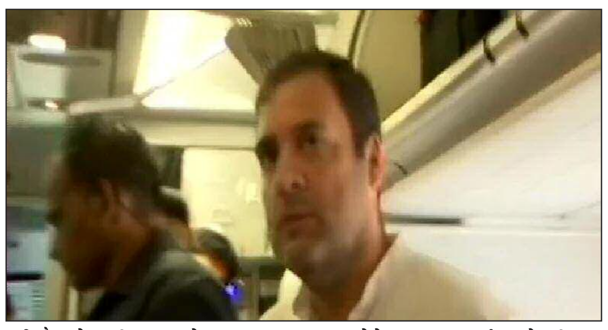

रही है, जो 1 दिसंबर को शुरू हुआ और 19 दिसंबर को समाप्त होने वाला है। एक्स पर एक पोस्ट में पूनावाला ने लिखा कि एक बार फिर, विदेशी नायक वही कर रहे हैं जो वे सबसे अच्छा करते हैं - विदेश यात्रा पर जाना! संसद 19 दिसंबर तक चल रही है, लेकिन राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे! राहुल, पर्यटन के विपक्ष के नेता हैं। बिहार चुनाव के दौरान भी वे विदेश में थे और फिर जंगल सफारी पर गए थे। कांग्रेस नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, जो राहुल गांधी की बहन हैं, ने आलोचना का जवाब दिया। उन्होंने भाजपा द्वारा उनकी यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने पर सवाल उठाते हुए कहा मोदी जी अपने कार्य समय का लगभग आधा हिस्सा देश से बाहर बिताते हैं, विपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) ने गांधीजी की जर्मनी यात्रा की पुष्टि की। 17 दिसंबर को, उनके जर्मनी की राजधानी और सबसे बड़े शहर बर्लिन में जर्मन सांसदों और भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिलने की उम्मीद है। संसद के रूप में और अब विपक्ष के नेता के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के दौरान गांधीजी लगातार भारत के लोकतंत्र के कमजोर होने और भाजपा तथा उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा संस्थानों पर कब्जा करने के बारे में बोलते रहे हैं।

अम्मान पहुँचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए खुद पहुंचे जॉर्डन के पीएम, देखें वीडियो

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुँचे। क्वीन आलिया एयरपोर्ट पर जॉर्डन के पीएम फर हसन ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। पीएम मोदी का यह दो दिवसीय दौरा भारत और जॉर्डन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित है। पीएम मोदी आज जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह द्वितीय बिन अल हुसैन से मुलाकात करेंगे। किंग अब्दुल्लाह द्वितीय के निमंत्रण पर ही पीएम मोदी जॉर्डन पहुँचे हैं। राजा से मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, जिसका मुख्य फोकस व्यापार, निवेश, राजनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर रहेगा। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत और जॉर्डन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाती है। भारतीय समुदाय ने किया पारंपरिक स्वागत अम्मान एयरपोर्ट पर

प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय मूल के नागरिकों ने भी जोरदार स्वागत किया। कई भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में अपने प्रधानमंत्री का अभिनंदन करने पहुँचे थे। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे। जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की तीन देशों की यात्रा पर निकलने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था, "मैं जॉर्डन के हाशमी साम्राज्य, इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य और ओमान के सल्तनत की यात्रा पर जा रहा हूँ। ये तीनों ऐसे राष्ट्र हैं जिनके साथ भारत के न केवल सदियों पुराने सभ्यतागत संबंध हैं, बल्कि व्यापक समकालीन द्विपक्षीय संबंध भी हैं।"

बिहार भाजपा की कमान संजय सरावगी के हाथ, छह बार के विधायक को मिली नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली एजेंसी: दरभंगा से छह बार विधायक रहे संजय सरावगी को सोमवार को बिहार भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वे मौजूदा राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल का स्थान लेंगे। गौरतलब है कि संजय सरावगी ने फरवरी 2005, अक्टूबर 2005, 2010, 2015, 2020 और 2025 में दरभंगा विधानसभा क्षेत्र से लगातार छह बार जीत हासिल की। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में सरावगी ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार उमेश साहनी को 24,593 वोटों से हराया। दिलचस्प बात यह है कि सरावगी पहली बार फरवरी 2005 में बिहार विधानसभा में पहुंचे थे, जब उन्होंने दरभंगा सीट से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के उम्मीदवार मोहम्मद मुमताज को 14,188 वोटों से हराया था। उन्होंने अक्टूबर 2005 में कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. मदन मोहन झा को

24,983 वोटों से हराकर इस निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखा। संजय सरावगी ने 2010, 2015 और 2020 में फिर से यह सीट जीती। 2010 में बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने आरजेडी के सुल्तान अहमद को 27,554 वोटों के अंतर से हराया। 2015 और 2020 में भी उन्होंने आरजेडी के उम्मीदवारों ओम प्रकाश खेरिया और अमर नाथ गामी को हराकर जीत हासिल की। उन्होंने नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में राजस्व और भूमि सुधार मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

पहलगाम आतंकी हमले का सच अब आएगा सबके सामने बाहर, एनआईए की चार्जशीट खोलेगी पाकिस्तान के आकाओं का सच?

नई दिल्ली एजेंसी: पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जांच एजेंसियों का निचौड आखिर क्या निकला, कैसे इस आतंकी हमले को अंजाम दिया गया किसने इस पूरी साजिश को अंजाम दिया आज हर हर पहलू सामने आ सकता है। अधिकारियों ने बताया कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले मामले में चार्जशीट दाखिल करेगी, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने 26 लोगों को मार दिया था। जिनमें ज्यादातर टूरिस्ट थे। एनआईए की जांच में 22 अप्रैल के आतंकी हमले में तीन आतंकवादियों की सीधी भागीदारी का पता चला था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवाद विरोधी जांच एजेंसी सोमवार को जम्मू में एनआईए की स्पेशल कोर्ट के सामने चार्जशीट पेश करेगी। जून में, एनआईए ने तीन पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें जुलाई में

सेना ने मार गिराया था। गिरफ्तार किए गए दोनों - बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के बशीर अहमद जोथर - ने तीनों हमलावरों की पहचान पाकिस्तानी नागरिक के रूप में बताई, जो प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। एनआईए की जांच किस दिशा में चली... एनआईए ने जून में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इन व्यक्तियों पर उन तीन आतंकवादियों को शरण देने का आरोप है जिन्हें जुलाई में भारतीय सेना ने मार गिराया था। गिरफ्तार किए गए दो व्यक्तियों झ्र परवेज अहमद जोथर (बटकोट) और बशीर अहमद जोथर (पहलगाम) झ्र ने इन तीन हमलावरों की पहचान पाकिस्तान के नागरिकों के रूप में की थी जो प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित थे। एनआईए के अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और साजो-सामान संबंधी अन्य सहायता प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि ये तीनों आतंकवादी 28 जुलाई को श्रीनगर के बाहरी इलाके में ऑपरेशन महादेव नाम से की गई मुठभेड़ में मारे गए थे।

अमीर प्रदूषण फैलाते हैं, गरीब मार झेलते हैं...दिल्ली की जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ते वायु प्रदूषण से संबंधित मामलों में वह प्रभावी आदेश पारित करेगा, जिन्हें लागू किया जा सकेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट के मामले की सुनवाई 17 दिसंबर को करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह, जो एमिकस क्यूरी के रूप में बेंच की सहायता कर रही हैं। बेंच के समक्ष यह मामला उठाते हुए कहा कि हालांकि निवारक उपाय लागू हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा उनका खराब कार्यान्वयन ही मुख्य समस्या है। उन्होंने कहा कि जब तक यह अदालत कोई निर्देश नहीं देती, अधिकारी पहले से मौजूद प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। इस पर पीठ ने कहा, यह मामला बुधवार को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष आएगा। इस पर सुनवाई अवश्य होगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम समस्या को जानते हैं और हम ऐसे आदेश पारित करेंगे जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि प्रदूषण की मार

सबसे ज्यादा गरीबों पर पड़ती है, जबकि प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों में अक्सर संपन्न वर्ग की भूमिका होती है। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने इससे सहमति जताते हुए कहा कि गरीब मजदूर इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। महानगरों में लोगों की अपनी लाइफस्टाइल होती है और वो गंभीर वायु प्रदूषण के बावजूद उसमें बदलाव नहीं लाना चाहते। लेकिन गरीबों का क्या होगा। एक अन्य

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट के मामले की सुनवाई 17 दिसंबर को करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह, जो एमिकस क्यूरी के रूप में बेंच की सहायता कर रही हैं।

वकील ने बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित एक आवेदन का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व आदेशों के बावजूद स्कूलों में बाहरी खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। राज्य अदालत के आदेश तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे... पिछले महीने आदेश पारित किया गया था कि दिसंबर-जनवरी में खेल आयोजन नहीं होंगे, इसके बावजूद ऐसे आयोजनों के लिए आदेश पारित किए जाने के बाद भी, उन्होंने आदेश को दरकिनार करने के तरीके खोज लिए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया हम समस्या को जानते हैं और आइए हम ऐसे आदेश पारित करें जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें सख्ती से लागू किया जा सकता है। इन शहरी महानगरों में लोगों की अपनी जीवनशैली होती है। सिंह ने कहा कि गरीब मजदूर सबसे ज्यादा पीड़ित हैं, और उन्होंने आगे कहा कि जीआरएपी-मैंवी उपायों के लागू होने से निर्माण मजदूर अब बेरोजगार हो गए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम केवल प्रभावी आदेश ही पारित करेंगे, कुछ निश्चित निर्देश हैं जिन्हें लागू किया जा सकता है, लोगों को उन परिस्थितियों के अनुरूप ढलना होगा। उन्हें अपनी जीवनशैली में बदलाव करना होगा... महानगरों में लोगों की अपनी जीवनशैली होती है जिसे वे नहीं बदलते, समस्या धनी वर्ग के साथ उत्पन्न होती है, गरीब वर्ग प्रभावित होता है।

संपादकीय

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरी है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में 40 विदेशी मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है।

रुपया गिरते-गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा-15.4 प्रतिशत-कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। इससे जाहिर हुआ कि चालू खाता और पूंजी खाता दोनों में भारत को विदेशी मुद्रा गंवानी पड़ रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयर बाजार के नकदी सेगमेंट से इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर से अधिक निकाल चुके हैं। बहरहाल, ये फौरी वजहें हैं। असल मुद्दा दीर्घकालिक रुझान का है। अभी गुजरे हफ्ते ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को घुटना-टेक (क्राउल-लाइक) श्रेणी में डाल दिया। इसके पहले वह इसे फ्लोटिंग से गिराकर स्थिरकृत (स्टैबलाइज्ड) श्रेणी में रखा हुआ था। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्राउल-लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है।

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मयार्दा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मयार्दा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मयार्दा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मायार्दा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मयार्दा का उल्लंघन करने वाला और मयार्दा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मयार्दा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विजय गाथा, भारत के शौर्य की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

विजय दिवस भारत में हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 3 दिसंबर, 1971 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की शुरूआत हुई, जो 13 दिनों तक चला और 16 दिसंबर को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश के मुक्ति बहानी के सामने आत्मसमर्पण किया। भारतीय सेना की इसी कामयाबी को प्रतिवर्ष विजय दिवास के रूप में मनाया था। हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस या विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। एक तथ्य यह भी है कि इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था, इसलिए, बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। सन 1971 से पहले, बांग्लादेश पाकिस्तान का एक हिस्सा था, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था।

तब पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को पाकिस्तानी सेना मारपीट, शोषण करती है , औरतों के साथ बलात्कार करती और वहां के लोगों की निर्मम हत्या करती थी, भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के द्वारा लोगों के उत्पीड़न का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का समर्थन किया। उस समय पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी जनरल अयूब खान के खिलाफ भारी असंतोष था। 3 दिसंबर को पाकिस्तान ने 11 भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला कर दिया था। जिसके जवाब में भारत ने भी मुहतोड जवाब दिया। भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का आदेश दे दिया। पाकिस्तान के साथ इस युद्ध में भारत के 1400 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। इस युद्ध को भारतीय सैनिकों ने पूरी बहादुरी के साथ लड़ा,इस युद्ध में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद यह युद्ध सिर्फ मात्र 13 दिनों में ही समाप्त हो गया था।

अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ दोनों महाशक्तियां शामिल हुई थीं। ये सब देखते हुए 14 दिसंबर को भारतीय सेना ने ढाका में पाकिस्तान के गवर्नर के घर पर हमला किया। उस समय पाकिस्तान के सभी बड़े अधिकारी मीटिंग करने के लिए इकट्टा हुए थे। इस हमले से पकिस्तान हिल गया और जनरल नियाजी ने युद्ध विराम का प्रस्ताव भेज दिया। परिणामस्वरूप 16 दिसंबर, 1971 को दोपहर के तकरीबन 2:30 बजे सरेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और उस समय लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। इस प्रकार 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश का एक नए राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से आजाद हो गया। ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए इस युद्ध ने एक नए मुल्क बांग्लादेश को जन्म दिया था और पाकिस्तान के इतिहास में करारी हार के तौर पर 16 दिसंबर का दिन दर्ज हो गया। यूं तो यह जंग पाकिस्तान के पश्चिम और पूर्वी हिस्से के बीच चल रही थी, लेकिन पाक की ओर से इस दौरान भारत पर भी हवाई हमले किए गए। इसके जवाब में 3 दिसंबर, 1971 से भारत भी इस युद्ध में कूदा और पश्चिम से लेकर पूर्व तक में पाक सेना पर जोरदार हमला बोला। तीनों सेनाएं इस युद्ध में सक्रिय हुईं और अंत में 16 दिसंबर, 1971 को 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के साथ जंग को जीता। यही नहीं, पड़ोस में एक नए मुल्क बांग्लादेश का भी उदय हुआ। इस युद्ध की शुरूआत से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया था।

आधी रात को देश के नाम संबोधन करते हुए इंदिरा गांधी ने कहा- मैं आप सभी से ऐसे वक्त में बात कर रही हूं, अभी कुछ घंटों पहले ही 5:30 बजे शाम को पाकिस्तान ने अचानक हमारे एयरफील्ड्स पर हमले किए हैं। उनकी थल सेना सुलेमानखी, खेमकरण, पुंछ और अन्य सेक्टर्स में गोलीबारी कर रही है, हम पूरी दुनिया से इस मसले के शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहे हैं। हमारी यही मांग है कि उन लोगों के अधिकार दिए जाएं, जो सिर्फ लोकतंत्र में अपनी भागीदारी चाहते हैं। आज बांग्लादेश में चल रहा युद्ध भारत का युद्ध बन गया है। यह युद्ध मुझ पर और देश के लोगों पर थोपा गया है। हमारे पास देश को युद्ध में ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमारे बहादुर अफसर और सैनिक चौकियों पर हैं और देश की रक्षा को आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आपातकाल घोषित किया जाता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। हमें लंबे समय तक संघर्ष और त्याग के लिए तैयार रहना होगा। हम शांति पसंद लोग हैं, लेकिन हम जानते हैं कि जब तक आप अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जिंदगी की सुरक्षा नहीं कर पाते, तब तक शांति नहीं रह सकती। इसलिए आज हमें न सिर्फ अपनी अखंडता के लिए लड़ना है बल्कि अपने देश के मूलभूत आदर्शों को मजबूती देने के लिए लड़ना है।
(लेखक पत्रकार हैं)

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

अजीत लाड़

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब 'अजेय किले' माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर 'सुशासन', 'भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन' और 'विकास बनाम वैचारिक जड़ता' जैसे नैरेटिव के जरिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा। राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट यह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को 'राजनीतिक परिपक्वता' और 'सांप्रदायिक सौहार्द' का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के जरिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब 'छोटे चुनाव' नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है। 2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा। इन तीनों सवालों के उत्तर का असर केवल केरल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। अंततः, केरल के स्थानीय चुनाव यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। पुराने राजनीतिक मिथक टूट रहे हैं, नए प्रयोग हो रहे हैं और मतदाता पहले से कहीं अधिक सजग, असंतुष्ट और विकल्पों की तलाश में है। केरल का यह 'सेमीफाइनल' दरअसल पूरे देश के लिए एक संकेत है कि अब राजनीति में कोई भी क्षेत्र, कोई भी विचारधारा स्थायी सुरक्षित क्षेत्र नहीं रही। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संदेश है।

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी।

भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की ह्यचमत्कार करने वालीह्ण संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है।

नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफर अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं-विशेषकर पश्चिम बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

साइबर अपराध के सम्बन्ध में छात्र छात्राओं को किया गया जागरुक किया

मिशन शक्ति 5 के विशेष अभियान के तहत छात्र/छात्राओं को थाना डिडौली का भ्रमण कराकर पुलिस की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध दी गयी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में मिशन शक्ति 5 के विशेष अभियान के तहत सोमवार को डीएस पब्लिक इंटर कॉलेज, डिडौली के छात्र/छात्राओं को थाना डिडौली का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान छात्र/छात्राओं को थाना परिसर, विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली, शिकायतों के पंजीकरण की प्रक्रिया तथा महिला सुरक्षा से सम्बन्धित पुलिस द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। छात्राओं को महिला हेल्पडेस्क, बीट व्यवस्था, डायल-112 की कार्यप्रणाली, त्वरित पुलिस सहायता की उपलब्धता, महिला सुरक्षा से सम्बन्धित 1090, बच्चों से सम्बन्धित 1098, आपातकालीन 112, साइबर अपराध हेतु 1930, तथा एंबुलेंस

सेवा 108 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को यातायात संकेतों, हेलमेट व सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल न प्रयोग करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, ओवरस्पीडिंग से होने वाले खतरे तथा सड़क पर पैदल एवं साइकिल सवारों की सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ सहज और सरल रूप में प्रदान की गईं। छात्राओं को बताया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल दंड से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की जीवन सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है।
इसी क्रम में बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, OTP धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पासवर्ड सुरक्षा, अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने जैसी उपयोगी जानकारियाँ दी गईं। साथ ही यह भी बताया गया कि किसी भी साइबर शिकायत की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क कर त्वरित सहायता प्राप्त की जा सकती है। छात्राओं ने भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर रोचक प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना, महिला सुरक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित करना, तथा यातायात व साइबर सुरक्षा के प्रति सचेत नागरिक तैयार करना रहा।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यक्रम की तिथियों को किया गया संशोधित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया है, जिसके अनुसार 26 फरवरी 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। 31 दिसंबर 2025 को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा। 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। नोटिस अवधि 31 दिसंबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गयी है। निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी 2026 को किया जाएगा। सम्प्रति विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) में आयोग के निर्देशानुसार 17 दिसंबर 2025

को सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बी०एल०ओ०) द्वारा उनके मतदेय स्थल (बूथ) पर उपस्थित रहकर, राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किये गये बूथ लेवल एजेण्ट्स (बी० एल०ए०) के साथ बैठक आहूत की जायेगी, जिसमें बूथ लेवल एजेण्ट्स, पूर्व में आहूत की गयी बैठक में उनको उपलब्ध करायी गयी अनुपस्थित / शिफ्टेड /मृत / डप्लीकेट मतदाताओं की सूची इत्यादि के संबंध में अपनी शिकायत / सुझाव उपलब्ध करा सकते हैं। जनपद के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों से अपील की जाती है कि कृपया 17 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली उक्त बैठक में प्रतिभाग करने हेतु अपने सभी बूथ लेवल एजेण्ट्स को सूचित करने का कष्ट करें तथा सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) को निर्देश दिये जाते हैं कि उपरोक्तानुसार बी० एल०ए० के साथ बैठक आयोजित किये जाने हेतु समस्त संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों(बी०एल०ओ०) को अपने स्तर से निर्देश देने का कष्ट करें।

असमोली चीनी मिल के अनेको क्रयकेन्द्रों का किया गया निरीक्षण

गन्ना तौल में प्रयुक्त होने वाले वेब्रिज व सॉफ्टवेयर में छेड़-छाड़ पाये जाने पर चीनी मिल एवं सॉफ्टवेयर प्रदाता कम्पनियों पर होगी कड़ी कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर घटतौली के दैनिक अनुश्रवण के क्रम में गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के कुशल निर्देशन में व्यापक कृषक हित में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग, उ.प्र., द्वारा पेराई सत्र 2025-26 के प्रारम्भ से ही गन्ना कय केन्द्रों पर घटतौली रोकने हेतु अधिकारियों को लगातार निर्देश जारी किये जा रहे हैं।आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. ने प्रदेश की समस्त चीनी मिलों के गेट एवं वाह्य गन्ना क्रय केन्द्रों पर संस्थापित तौलन यंत्रों के सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, ए.एम.सी. प्रदाताओं एवं चीनी मिलों के आई.टी प्रमुखों के साथ वर्चुअल बैठक कर गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित कराने तथा घटतौली पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के दृष्टिगत व्यापक दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। इन दिशा-निदेशों को

रविवार को असमोली चीनी मिल के क्रयकेन्द्र का निरीक्षण करते डी.सी.ओ. अमरोहा।

धरातल स्तर पर पालन कराने तथा घटतौली की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिये प्रभावी कदम उठाने के निर्देश परिक्षेत्रीय अधिकारियों को दिये गये। इस बैठक में ऑनलाइन जुड़े चीनी मिलों के आई.टी. प्रमुख उनके सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर एवं ए. एम.सी. प्रदाताओं को यह भी निर्देश दिये गये कि चीनी मिलों द्वारा गन्ना तौल हेतु प्रयोग किये जा रहे अपने हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर को प्रत्येक स्तर पर सुधारात्मक उपाय करते हुए उन्हें अभेद्य छेड़-छाड़ रहित रखा जाए, जिसमें किसी प्रकार से गन्ने के वास्तविक वजन के साथ कोई हेर-फेर न की जा सके। यदि परीक्षण व औचक छापामार जांच दल द्वारा वेब्रिज या सॉफ्टवेयर में कोई भी छेड़-छाड़ पायी गयी तो चीनी मिल के साथ-साथ हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर प्रदाता कंपनियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिला गन्ना अधिकारी, अमरोहा ने बताया कि आयुक्त , गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. द्वारा घटतौली पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु दिये गये दिशा-निदेशों का गन्ना विकास विभाग अमरोहा कडाई से पालन कर रहा है, जिसके क्रम में में गन्ना विकास विभाग अमरोहा द्वारा लगातार घटतौली रोकने हेतु प्रभावी नियंत्रण अभियान चलाये जा रहें है जोकि सफल साबित हो रहे है। उन्होनें अवगत कराया कि उनके द्वारा कल रविवारीय अवकास में असमोली चीनी मिल के अनेको क्रयकेन्द्रों का निरीक्षण किया गया है, तथा गन्ना विभाग अमरोहा के अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन औचक निरीक्षण किये जा रहें है, जिससे घटतौली पर पुर्णतः प्रतिबन्ध लगाया जा सकें। जिला गन्ना अधिकारी अमरोहा ने बताया कि क्रयकेन्द्रों पर अधिकारियों के मोबाईल नम्बर चस्पा कर दिये गये है, जिनपर किसान गन्ना क्रय संबंधित शिकायत कर समस्या का तुरन्त निस्तारण करा सकेंगे।

मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मिनी स्टेडियम मे मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन और युथ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान मे कराया जा रहा है आज इस टूनार्मेंट का दूसरा मैच फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब दिल्ली और रुक्मणी क्रिकेट क्लब मुरादाबाद के बीच खेला गया, रुक्मणी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीता और पहले बोलिंग करने का फैसला किया. पहले बेटिंग करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब दिल्ली ने निर्धारित 30 ओवर्स 9 विकेट खोकर 176 रन बनाए फ्रेंड्स क्लब कि तरफ से हर्षित सेठी ने 84 और मुबाशीर ने 27 रनो का योगदान दिया रुक्मणी क्रिकेट क्लब

कि तरफ से उस्मान ने 3 और अरीब और राजा ने 2 दो विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी रुक्मणी क्रिकेट क्लब मुरादाबाद ने मात्र 27.5 ओवर्स मे 146 रनो पर ऑल आउट हो गयी रुक्मणी की तरफ से साईम ने 30 और कुशल ने 28 रनो का योगदान दिया फ्रेंड्स क्लब दिल्ली कि तरफ से सकलेन और सिकंदर ने 3 तीन विकेट लिया,यह मैच फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब दिल्ली ने 30 रनो से यह मैच जीत लिया, शानदार बेटिंग करने के लिए हर्षित सेठी को मैन ऑफ दा मैच दिया गया,मैच मे अंपायर के फराइज को सतेंद्र सिंह और जमाल पाशा ने अंजाम दिया मैच मे स्कॉरिंग राहुल गुप्ता एबं सदाकत ने और मैच मे कमेंटरी शमशाद अल्वी ने की। इस मोके पर रिजवान पाशा, इमरान पाशा, नजम अली, परवेज पाशा, शहजाद फारूक, सिकंदर अली, नदीम बादशाह,अकरम अंसारी, मोज्जाम अली, सैंडी गुप्ता, अनिल चौहान, मोहम्मद नूर,बॉबी पाशा, नावेद आमिर, रोहित चंदेल,रजन असगर,महशर अली, मोहम्मद जाहिद, भरत, मोहम्मद जुबैर,तरीक चीना, आकिब, दीपांकूर, नफीस,अजीम अहमद, अनस खान,विजय ठाकुर, जावेद पाशा, मुजाहिद अली,डॉ वरुण,मुकररब पाशा,गुफरान, इकराम अली,अजय राव,शाहबाज, शानदार हुसैन,आरिफ,वाजिद मंसूर, रफी उल्लाह, खावर हसन, गौतम, मोहर सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

धनौरा क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक, फसलों को कर रहे बर्बाद

फसल बचाने को किसान रातभर जागने को मजबूर

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र में किसान अपनी खड़ी फसलों को रखाने के लिए रात भर जागने को मजबूर हो गया है, क्योंकि क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक इतना बढ़ गया है कि यदि किसान खेत पर ना हो तो वह खेतों में झुंड बनाकर घुस जाते हैं और खड़ी फसलों को खाना शुरू कर देते हैं। जिससे किसानों का काफी नुकसान हो रहा है। धनौरा ब्लॉक क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव के किसान आवारा पशुओं की समस्या से जूझ रहे हैं ।धनोरी खुर्द, शाहबाजपुर, मोहनपुर, नसीरपुर और मंढाईयों जैसे गांव में आवारा पशुओं के झुंड खेतों में घुसकर खड़ी फसलों को लगातार बर्बाद कर रहे हैं ,यह समस्या विशेष रूप से रात के समय बढ़ जाती है, जिससे रवि की फसलें जैसे गेहूं ,सरसों ,मटर और आलू प्रभावित हो रही हैं। बता दें कि किसानों के अनुसार गेहूं की बुवाई के बाद हर रात आवारा पशुओं के

झुंड खेतों में घुसकर फसलें नष्ट कर देते हैं। इसके बारे में जानकारी देते हुए क्षेत्रीय किसान अमरपाल दहिया, मदन सैनी ,योगेंद्र सैनी और कृष्ण सैनी ने बताया कि रात भर जाकर रखवाली करने के बावजूद फसलों के नुकसान जारी है। किसान अंकुर और ओमपाल सैनी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब उनकी पूंजी ही नहीं बच रही है तो आय दुगनी करने का लक्ष्य कैसे पूरा होगा ।उन्होंने बताया कि आवारा पशुओं के कारण खेती करना अब एक बड़ी चुनौती बन गया है ,फसलों की बबार्दी के अलावा किसानों को अब कंटीला तार लगाने या अस्थाई बांध बनाने पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है, रात भर जागने से किसानों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, इन किसानों ने स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनके प्रमुख मांगों में मौजूद गौशाला की क्षमता बढ़ाना, आवारा पशुओं को सुरक्षित रखना ,बर्बाद हुई फसलों के लिए उचित मुआवजा देना और गांवों में पशुओं को रोकने के लिए प्रभावी व टिकाऊ समाधान लागू करना शामिल है ।किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि इस गंभीर समस्या का समाधान जल्द नहीं हुआ तो वह खेती छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। गौरतलब है कि धनौरा ब्लॉक में सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर गौशाला का निर्माण कराया गया है और प्रतिदिन एक जानवर पर ₹50 खर्च किए जा रहे हैं इसके बावजूद भी किसानों की चिंताएं ज्यों कि त्यों बनी हुई है और आवारा जानवर रोज फसलें बर्बाद कर रहे हैं किसानों का आरोप है कि गौशाला में जानवरों की हाजिरी लगाकर उन्हें निकाल दिया जाता है उन्होंने ऐसी गौशाला को चिन्हित कर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

स्वास्थ्य संबंधी कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होगी स्वीकार्य-निधि गुप्ता वत्स

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति का बारीकी से मूल्यांकन किया गया तथा कमियों पर सख्त निर्देश जारी किए गए। उन्होंने बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही एवं उदासीनता करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य संबंधी कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निधि गुप्ता वत्स ने चिकित्सालयों में संस्थागत प्रसव में कमी पाए जाने और सही मॉनिटरिंग न करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश दिए। इसके साथ सभी राजकीय स्वास्थ्य इकाईयो में संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव बढ़ाने हेतु आशा/ए०एन०एम० के कार्यों की समीक्षा करें और खराब कार्य करने वाली आशाओं और ए०एन०एम० पर कड़ी कार्यवाही करें। उन्होंने सभी एमओआईसी को उचित मॉनिटिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो

आशाएं और एएनएम सही कार्य नहीं कर रही उनको चिन्हित करते हुए कड़ी कार्यवाही की जाए। इसके साथ उन्होंने नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई बच्चा टीकाकरण से न छूटे। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत चल रहे अभियान के अंतर्गत सभी पात्रों एवं 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्ध जनो के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये। आयुष्मान योजना के अंतर्गत चल रहे अभियान में धीमी प्रगति पर भी सभी एमओआईसी का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में लगी टीमों की स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रतिमाह विजिट की सही मॉनिटरिंग न करने पर आरबीएसके के नोडल अधिकारी विपुल का स्पष्टीकरण जारी करने के साथ वेतन रोकने के निर्देश दिए। जन्म और मृत्यु के पंजीकरण निर्धारित समयावधि में करने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ मृत्यु की संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए एमओआईसी को निर्देश दिए कि आशाओं और एएनएम को सभी गर्भवत महिलाओं को चिकित्सालय में ही लाने के लिए प्रेरित करें ताकि इसमें कमी आए। आरसीएच पोर्टल पर प्रदेश के औसत से कम पंजीकरण पर अमरोहा, धनौरा और जोया ब्लॉक के बीपीएम का वेतन रोकने के निर्देश दिए। आयुष्मान आरोग्य मंदिर भटपुरा अमरोहा में तैनात सीएचओ गुलाम वारिस द्वारा ई संजीवनी ओपीडी में खराब प्रदर्शन करने पर उनको हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एफआरयू की प्रगति, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत कार्य की स्थिति, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन, ई-संजीवनी ओपीडी, ई-कवच, आभा आईडी एवं जन्म-मृत्यु पंजीकरण, टीबी कार्यक्रम, आशा भुगतान, टीकाकरण प्रगति की भी समीक्षा की गई।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, सीएमएस डॉ0 एके भंडारी सहित संबंधित अधिकारी और समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर रबी किसान मेला आयोजित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को महान स्वतंत्रता सेनानी पूर्व उप प्रधानमंत्री, भारत रत्न लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उपसंभाग हसनपुर परिसर में एक दिवसीय रबी किसान मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित किसानों को विभागीय अधिकारियों द्वारा पी एम कुसुम योजना, पराली प्रबंधन, फॉर्मर रजिस्ट्री एवं अन्य विभागीय योजना के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने किसानो को जागरूक करते हुए

कहा कि मृदा एवं मनुष्य के स्वास्थ्य को बचाने के लिए जैविक कृषि किए जाने की आवश्यकता है। अत्यधिक रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों के प्रयोग किए जाने से जहां एक ओर मृदा स्वास्थ्य खराब होने से भूमि की उत्पादक क्षमता में गिरावट आ रही है वहीं कृषि उत्पादों के सेवन से मनुष्य शरीर में अनेको बीमारियां पैदा हो रही हैं। साथ ही लागत अधिक आने से किसान की आय दोगुनी किए जाने का माननीय प्रधान मंत्री जी का सपना पूर्ण नहीं हो पा रहा है। इस अवसर पर महिपाल सिंह, धर्मपाल सिंह, सुनील कुमार, पीतम सिंह,कपिल कुमार विषय वस्तु विशेषज्ञ हसनपुर, यशवीर सिंह, विनय बाबू,आदि मौजूद रहे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेम सिंह आर्य व संचालन रामपाल सिंह ने किया।

गजरौला क्षेत्र में कूड़े के ढेर में मिला नवजात, पुलिस ने किया अस्पताल में भर्ती,हालत गंभीर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में कूड़े के ढेर में एक नवजात शिशु पड़ा हुआ मिला। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।
बता दें कि यह पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भीकनपुर शुमाली का है जहां सोमवार की सुबह करीब 7:00 बजे गांव निवासी महिला रूबी टहल रही थी तभी उसे गांव के रास्ते पर एक कूड़े के ढेर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी, पास जाकर देखने पर पता चला कि एक नवजात बच्चा कपड़े में लिपटा हुआ था और ठंड से कांपते हुए रो रहा था। रूबी ने

तुरंत गांव वालों को इसकी सूचना दी, ग्रामीणों ने बच्चे को गजरौला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और नवजात बच्चे को अपनी मौजूदगी में अस्पताल में भर्ती कराया। बच्चे का इलाज फिलहाल आईसीयू में चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बनी हुई है।

पुलिस मुठभेड़ में पचास हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, सिपाही घायल

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- जिले में पुलिस की सतर्कता से एक बड़े अपराधी की गिरफ्तारी हुई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में थाना बनियाठेर पुलिस ने ग्राम नेहटा के जंगल में चेकिंग के दौरान मुठभेड़ में 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश इमरान को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान बदमाश और पुलिसकर्मी दोनों घायल हो गए। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान इमरान पुत्र रफीक, निवासी ईदगाह अलीगंज, थाना अलीगंज, जनपद बरेली के रूप में हुई है। इमरान पर मुरादाबाद पुलिस द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वह मुरादाबाद के थाना भोजपुर क्षेत्र में 24-25 सितंबर की रात गांव पीपलसाना में अपने तीन साथियों

के साथ एक घर में घुसकर तमंचे के बल पर एक महिला से कुंडल लूटने के मामले में वांछित था। इस लूट की घटना में मुकदमा दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस को देखते ही इमरान ने भागने की कोशिश की और पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें इमरान के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। बदमाश की गोली से पुलिस आरक्षी नीरज भी घायल हो गए। दोनों घायलों को तुरंत जिला अस्पताल संभल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ की सूचना पर क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह सहित आसपास के थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने इमरान के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर), दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक बिना नंबर प्लेट की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की। थाना बनियाठेर पर गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

एंजेल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया पुलिस कार्यालय का भ्रमण

बहजोई /संभल (सब का सपना):- एंजेल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने पुलिस कार्यालय बहजोई का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने स्कूल के हालिया वार्षिक समारोह में गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करने के लिए जनपद संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही, समारोह की स्मृति में कुछ चुनिंदा छायाचित्र स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने छात्रों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने छात्रों को प्रेरणादायक विचार साझा करते हुए जीवन को सही दिशा देने का मार्गदर्शन प्रदान किया। पुलिस अधिक्षक ने अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी के महत्व को सरल शब्दों में समझाया, जिससे छात्रों में आगे बढ़ने की नई प्रेरणा जगी।

यह भेंटवार्ता छात्रों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुई। छात्रों का कहना था कि पुलिस अधिक्षक के मार्गदर्शन से उनके मन में आत्मविश्वास, उद्देश्यबोध और अध्ययन के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

पुलिस और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से रोका गया बाल विवाह, नाबालिग लड़की को सुरक्षित जगह भेजा गया

सम्भल (सब का सपना):- जनपद पुलिस और बाल संरक्षण इकाई की संयुक्त टीम ने थाना नखासा क्षेत्र में होने वाले एक संभावित बाल विवाह को सफलतापूर्वक रोक दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निर्देशन में की गई। सूचना मिलते ही चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) ने थाना एएचटी को बाल विवाह की जानकारी दी। तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना एएचटी की टीम, जिसमें उपनिरीक्षक बाबूराम सैनी, कांस्टेबल अमित कुमार, महिला कांस्टेबल

श्वेता शर्मा, कांस्टेबल चालक मयंक शामिल थे, साथ ही थाना नखासा पुलिस, एनजीओ जस्ट राइट के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम मौके पर पहुंची। सत्यापन के दौरान पाया गया कि विवाह में शामिल लड़की की उम्र कानूनी विवाह आयु (18 वर्ष) से कम थी। अधिकारियों ने परिवार को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के बारे में विस्तार से समझाया और समझाइश के बाद विवाह को तुरंत रोक दिया गया। नाबालिग लड़की को काउंसलिंग दी गई और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीडब्ल्यूसी के आदेश पर महिला कांस्टेबल श्वेता शर्मा द्वारा उसे वन स्टॉप सेंटर बहजोई में दाखिल कराया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है और जिले में ऐसे किसी भी प्रयास पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जनता से अपील की गई है कि बाल विवाह संबंधी किसी भी सूचना को तुरंत पुलिस आपात नंबर या स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समय पर हस्तक्षेप से बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सहित सदस्यों ने किया बुद्ध का दर्शन

संवाददाता

कसया। त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सहित आठ सदस्य दल ने तथागत बुद्ध का दर्शन कर चीवर चढ़ाया। सोमवार को प्रदेश में अध्ययन भ्रमण पर आई त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति श्रीराम पडा जमातिया के नेतृत्व में आठ सदस्यीय दल में शामिल श्रीमती नीलेश्वर जमातिया, सदस्य

अभिषेक देवराय, संजय मनिक त्रिपुरा, मानब देव बर्मा, विश्वजीत कलाई, दीपांकर सेन, निर्मल विश्वास ने महा परिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन, पूजन कर चीवर चढ़ाया व स्तूप की परिक्रमा की। सभापति श्रीराम पदा जमातिया और सदस्यों को लेखपाल निलेश रंजन राव ने समिति के सदस्यों को कुशीनगर के पर्यटकीय, पुरातात्विक, ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति प्रदेश के नौ दिवसीय भ्रमण पर 12 दिसंबर को पहुंची है जो पर्यटकीय, दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के साथ ही प्रदेश के विकास का अध्ययन करेगी। इस दौरान त्रिपुरा विधानसभा से जुड़े अधिकारी व कानूनगो ब्रजेश मणि, शैलेन्द्र दूबे आदि मौजूद रहे।

ट्रक ने बाइक सवार ताऊ-भतीजे को रौंदा दोनों गंभीर घायल, हायर सेंटर रेफर

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के धनारी थाना क्षेत्र के गांव कीरतपुर के निकट रोड पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार ताऊ-भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार, थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम हिम्मतपुर निवासी शामीन अपने ताऊ नूर मोहम्मद शाह को दवाई दिलाने के लिए बाइक से

बहजोई क्षेत्र के छपरा पाठकपुर जा रहे थे। पाठकपुर गढ़ी बिचौला मार्ग पर पहुंचते ही सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल से हालत नाजुक देखते हुए उनको हायर सेंटर रेफर किया गया हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान: दी गई 51 क्षय रोगियों को पोषण पोटली व आर्थिक सहायता

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जागरूकता एवं सहायता वितरण कार्यक्रम का आयोजन कर 51 क्षय रोगियों को पोषण पोटली व एक - एक हजार रुपये की नगद आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। विधायक श्री कुशवाहा ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए

सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मरीजों को समय पर इलाज के साथ-साथ पोषण एवं आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना इस अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान का लक्ष्य जनसहभागिता और नियमित उपचार से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने मरीजों से अपील की कि वे दवाओं का पूरा कोर्स लें और नियमित जांच कराते रहें। अभियान के नोडल अधिकारी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एस.एन. त्रिपाठी ने बताया कि जिले में टीबी नियंत्रण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मरीजों को पोषण सहायता प्रदान कर उन्हें शीघ्र स्वस्थ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. उमाशंकर नायक ने कहा कि किसी भी टीबी मरीज को इलाज से संबंधित किसी प्रकार की समस्या होने पर सीएचसी से संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. साजिद हुसैन, डॉ. अराफात, डॉ. एच.एन. प्रसाद, अनुज तिवारी, आदित्य प्रकाश तिवारी, अनीता कुशवाहा, किरन राव, शहनाज परवीन, अनुराग कुशवाहा, कमरूल होदा, सत्येन्द्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सचिवों ने डोंगल जमा कर जताया विरोध

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के 8 ब्लॉक परिसरों पर प्रदर्शन,सचिवों ने डोंगल सौंपकर अपना विरोध जताया है। प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति और गैर विभागीय कार्यों के विरोध में चलाया जा रहा आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में 1 से 4 दिसंबर तक ग्राम पंचायत सचिवों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद 5 दिसंबर 2025 को विकासखंड मुख्यालयों पर सचिवों द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया।

आंदोलन के तीसरे चरण में 10 दिसंबर 2025 को सचिवों ने अपने-

अपने कार्यक्षेत्र में साइकिल से भ्रमण किया। सचिवों का कहना है कि शासन द्वारा उन्हें केवल साइकिल भत्ता दिया जाता है, ऐसे में साइकिल से भ्रमण कर उन्होंने अपनी मांगों को प्रतीकात्मक रूप से रखा। मांगें पूरी न होने से आक्रोशित सचिवों ने 15 दिसंबर 2025 को विकासखंड बहजोई में ऑनलाइन उपस्थिति और गैर विभागीय कार्यों के विरोध में बड़ा कदम उठाते हुए अपने डोंगल सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को सौंप दिए। सचिवों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान जिला महामंत्री गौरव कनौजिया, ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद असलम, आकाश चौहान, विकास कुमार, रमेश कुमार, अजय यादव, जमालुद्दीन, सुभाष कुमार, विमल कुमार सहित विकासखंड बहजोई के समस्त ग्राम पंचायत सचिव मौजूद रहे।

भैया बोलने पर चिढ़े डॉक्टर, कहा: मैं सर हूं

मेरठ। 'भैया' कहने पर एक डॉक्टर भड़क उठा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) यानी BKU का एक पदाधिकारी सोमवार को अपनी बेटी का इलाज कराने डॉक्टर के पास पहुंचा था। उन्होंने डॉक्टर को भैया बोल दिया। यह शब्द सुनते ही डॉक्टर नाराज हो उठा। डॉक्टर ने पर्चा फेंकते हुए कहा- मैं सर हूं। तुम्हारा भैया नहीं। सर कहकर बुलाया करो। मामला पीएल शर्मा जिला अस्पताल का है। यह बात जब संगठन के जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी को पता चली तो

उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक का घेराव कर हंगामा कर दिया। पदाधिकारी का आरोप है कि डॉक्टर ने उनके मरीज का इलाज नहीं किया। इसके बाद अस्पताल के कार्यवाहक अधीक्षक योगेश अग्रवाल ने हाथ जोड़कर माफी मांगी। तब किसान शात हुए। जिस इडव पदाधिकारी के साथ डॉक्टर ने बदसलूकी की, उनका नाम बिट्टू जंगेठी है। वे इडव के जिला सचिव हैं। उनकी 6 साल की बेटी शिवांशी को सर दर्द की समस्या थी। इसलिए वे बेटी को स्कूल से सीधे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीओम को दिखाया। उन्होंने डॉक्टर श्रीओम को भैया कहकर बेटी को देखने के लिए कहा। डॉक्टर ने न सिर्फ बिट्टू को फटकार लगाई, बल्कि पुलिस भी बुला ली। इसके बाद बिट्टू और उनकी बेटी को अपनी ओपीडी रूम से बाहर कर दिया। बिट्टू जंगेठी ने बताया- बच्ची के सिर में दर्द था, तो वह उसको लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। इसके बाद डॉक्टर ने बच्ची का इलाज नहीं किया और पर्चा फेंक दिया।

घने कोहरे की चादर ने शहर को लपेटा, छात्रों की मुश्किलें बढ़ीं, वाहनों की रफ्तार थमी

सम्भल(सब का सपना) अफसर अली:- जनपद में सर्दी और कोहरे का प्रकोप दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। सुबह से ही घने कोहरे की काली चादर बिछी हुई है, जिससे दृश्यता घटकर महज कुछ मीटर रह गई है। ठंड से ठिठुरते छात्र-छात्राएं स्कूल पहुंचने के लिए मजबूर हैं, जबकि सड़कों पर वाहनों की रफ्तार लगभग थम सी गई है। पिछले कई दिनों से संभल और आसपास के इलाकों में कोहरे का असर देखने को मिल रहा है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम 26

डिग्री तक पहुंचा। सुबह के समय घना कोहरा छाया होने से सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को धीमी गति से चलने और फॉग लाइट्स जलाने की सलाह दी है। एक स्थानीय निवासी ने बताया, कोहरा इतना घना है कि सामने का आदमी ही नजर नहीं आता। बच्चे स्कूल जाते समय कांप रहे हैं, लेकिन छुट्टी न मिलने से मजबूरी है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, ठंड के बावजूद स्कूलों में उपस्थिति अनिवार्य है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश समेत उत्तरी भारत में सर्दी का यह दौर दिसंबर से फरवरी तक जारी रह सकता है, जिसमें सामान्य से अधिक ठंडे दिन और 4-5 अतिरिक्त कोल्ड वेव के दिन देखने को मिल सकते हैं। प्रशासन ने किसानों को भी सतर्क रहने की हिदायत दी है, क्योंकि ठंड से फसलों को नुकसान हो सकता है। आने वाले दिनों में राहत की कोई उम्मीद नहीं दिख रही, इसलिए नागरिकों को गर्म वस्त्र पहनने और यात्रा में सावधानी बरतने की अपील की गई है। यह मौसम संबंधी बदलाव न केवल दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल रहा है। ट्रेन और बस सेवाओं में देरी आम हो गई है, जबकि बाजारों में भी सन्नाटा पसर गया है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

बहजोई/संभल (सब का सपना):- सरकार के महत्वाकांक्षी 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत जनपद सम्भल पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए सक्रिय अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर बालिकाओं को जागरूक किया तथा महिला संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। अभियान के दौरान महिलाओं व बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित व सशक्त वातावरण प्रदान

करने का प्रयास किया गया। जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों व अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर तैनाती कर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की। महिला पुलिसकर्मियों ने शासन व पुलिस विभाग की विभिन्न योजनाओं तथा हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पम्पलेट वितरित किए। हेल्पलाइन नंबरों से महिलाओं को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य नारी शक्ति को नया आयाम देना है। इस अभियान से महिलाएं व बालिकाएं न केवल सुरक्षित महसूस करेंगी, बल्कि स्वावलंबी भी बनेंगी। अभियान पूरे जनपद में जारी है और जनता से सहयोग की अपील की गई है।

दिल्ली में किसानों और खेती का पूरा ढांचा होगा डिजिटल, सास्की योजना से मिलेगी केंद्र की आर्थिक मदद

> दिल्ली सरकार ने कृषि और किसानों से जुड़े पूरे ढांचे को डिजिटल बनाने का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार की सास्की योजना के तहत, दिल्ली में किसानों की डिजिटल पहचान और कृषि भूमि का जियो-मैप तैयार किया जाएगा। इसके बदले में केंद्र सरकार दिल्ली को आर्थिक सहायता प्रदान करेगी, जो लक्ष्यों की पूर्ति पर आधारित होगी। इस निर्णय से खेत का वास्तविक रिकॉर्ड तैयार होगा और योजनाओं में गड़बड़ी कम होगी।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने खेती और किसानों से जुड़े पूरे ढांचे को डिजिटल बनाने की दिशा में फैसला लिया है। केंद्र सरकार की सास्की (पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता) योजना के अंतर्गत दिल्ली में किसानों की डिजिटल पहचान और खेती की जमीन का जियो-मैप तैयार किया जाएगा। इसके बदले केंद्र सरकार दिल्ली को आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यह सहायता किसी अनुदान की तरह एकमुश्त नहीं, बल्कि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के आधार पर दी जाएगी। योजनाओं में नहीं होगी गड़बड़ी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि इस प्रभावी निर्णय से खेत का वास्तविक रिकार्ड तैयार होगा और फसल बीमा, मुआवजा, समर्थन मूल्य और अनुदान जैसी योजनाओं में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। यह व्यवस्था किसानों को पहचान दिलाएगी और उन्हें अधिकार व सिस्टम में पारदर्शता देगी। फर्जी दावे, गलत एरिया दिखाना और फर्जी दस्तावेज जैसी समस्याएं समाप्त होंगी। केंद्र सरकार की सास्की योजना का उद्देश्य उन राज्यों को प्रोत्साहन देना है जो कृषि को डिजिटल प्रणाली से जोड़ते हैं। इसके तहत दिल्ली में राज्य किसान रजिस्ट्री और डिजिटल फसल सर्वेक्षण लागू किए जाएगा। जैसे-जैसे दिल्ली सरकार इन दोनों कार्यों को पूरा करेगी, वैसे-वैसे केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता जारी होती जाएगी। देशभर में 5,000 करोड़ की सहायता सरकार के अनुसार इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने देश-भर के राज्यों के लिए कुल 5,000 हजार करोड़ की विशेष केंद्रीय सहायता घोषित की है। यह राशि उन राज्यों को मिलेगी जो किसानों और खेती की जमीन का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेंगे। अब दिल्ली को भी इसी राशि में से हिस्सा मिलेगा। दिल्ली सरकार किसानों का डिजिटल रजिस्टर बनाने, पूरी कृषि भूमि का डिजिटल नक्शा तैयार करने और फसल का डिजिटल सर्वे शुरू करने जा रही है। पहली बार होगा डिजिटल सर्वे दिल्ली में पहली बार मैनुअल गिरदावरी की जगह डिजिटल फसल सर्वे होगा। हर खेत की जियो-लोकेशन दर्ज होगी। फसल की तस्वीर ली जाएगी और उसे सैटेलाइट मैप से जोड़ा जाएगा। इससे किसी भी खेत का वास्तविक रिकार्ड तैयार होगा और फसल बीमा, मुआवजा, समर्थन मूल्य और अनुदान जैसी योजनाओं में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। सभी कृषि जमीन का जियो-रेफरेंसिंग किया जाएगा, जिससे जमीन का नक्शा डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध होगा। सास्की योजना की शर्तों के अनुसार दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दे दी है। इसके बाद दिल्ली को चरणबद्ध तरीके से प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

डीयू में छात्रा उत्पीड़न के आरोप में तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन

नई दिल्ली। दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में एक छात्रा द्वारा प्रोफेसर पर उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने और उससे जुड़े वीडियोसोशलमीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीयजांच समिति का गठन किया है। छात्र संगठनों ने इस मामले में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। छात्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में आरोप लगाया कि प्रोफेसर पर गंभीर आरोप लगाने के बाद विभागाध्यक्ष (एचओडी) ने उसे धमकाया। छात्रा के अनुसार, एचओडी ने उससे वीडियो हटाने को कहा और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उसके शैक्षणिक भविष्य को गंभीर नुकसान पहुंचाया जा सकता है। छात्रा का दावा है किउसेकहा गया कि प्रोफेसर के खिलाफ डाले गए सभी वीडियो हटा लो, वरना बहुत कुछ बर्बाद कर सकते हैं। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि उसे सेमेस्टर अंत की परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड नहीं दिया गया और अन्य छात्रों के माध्यम से लगातार दबाव बनाया गया कि वह अपने आरोप वापस ले ले। साथ ही उसने यह दावा भी किया कि कुछ छात्रों ने आंतरिक मूल्यांकन अंकों के बदले प्रोफेसर का समर्थन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर की निदेशक राजनीअब्बी ने कहा कि छात्रा की ओर से अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वीडियोवायरल होने के बाद कुलपति के निर्देश पर तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। अब्बी ने बताया कि जांच रिपोर्ट दो से तीन दिनों में सौंपे जाने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय छात्रा और उसके परिवार से संपर्क करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। राजनीअब्बी के अनुसार, प्रशासन को यह जानकारी भी मिली है कि छात्रा की उपस्थिति कम रही है और उसके व्यवहार को लेकर सहपाठियों की ओर से लिखित शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी पहलुओं की जांच समिति द्वारा की जाएगी।

दिल्ली में विस्फोट से पहले फरीदाबाद में किया था धमाके का ट्रायल, एन आई ए की जांच में हुआ बड़ा खुलासा

दक्षिणी दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) की जांच में अब बड़ी बात यह निकलकर सामने आई है कि सफेदपोश आतंकियों ने लालकिला के समीप 10/11 को हुए आत्मघाती हमले से करीब एक वर्ष पहले फरीदाबाद में विस्फोट का ट्रायल किया था। यह ट्रायल अलफलाह यूनिवर्सिटी से चंद किलोमीटर दूर क्रेशर जोन में किया गया था। आतंकियों ने धौज क्रेशर जोन को इस ट्रायल के लिए इसीलिए चुना, ताकि उससे होने वाले विस्फोट की आवाज जोन में होने वाले तीव्र शोर में दब जाए। सीन रि-क्रिएशन में हुआ खुलासा हाल में सीन रि-क्रिएशन के दौरान दिल्ली पुलिस और एनआइए की टीम डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन को लेकर क्रेशर जोन पहुंची थी। दोनों आरोपितों ने उस जगह की निशानदेही कराई और मौके से क्षतिग्रस्त स्टील पाइप के टुकड़े भी बरामद कराए। इसी पाइप में अमोनियम नाइट्रेट व अन्य केमिकल मिलाकर विस्फोट किया था। एनआईए सूत्रों ने बताया कि आरोपित डॉ. मुज्जमिल, डॉ. शाहीन और आत्मघाती हमले में मारे जा चुके डॉ. उमर नबी ने वर्ष 2024 में अलफलाह यूनिवर्सिटी के अंदर अमोनियम नाइट्रेट का प्रयोग करके विस्फोटक पाउडर तैयार किया था। जब विस्फोटक तैयार हो गया, तब उसकी तीव्रता मापने को ट्रायल की योजना बनी। कई दिनों तक सुरक्षित जगह की तलाश करते रहे पूछताछ के दौरान डॉ. शाहीन ने उगला कि ट्रायल के लिए कई दिनों तक सुरक्षित जगह की तलाश होती रही। एक रात डा. उमर ने बताया कि उसे एक सुरक्षित जगह मिल गई है। तीनों ट्रायल से पहले धौज क्रेशर जोन में घूमने गए। जिस दिन ट्रायल हुआ था, उस दिन तीनों अरावली भ्रमण की आड़ में क्रेशर जोन पहुंचे। स्टील पाइप में विस्फोटक भरकर उसे एक चट्टान में फंसाकर विस्फोट किया। विस्फोट से चट्टान का एक हिस्सा बिखरा और पाइप भी फटकर दो हिस्सों में हो गया। ट्रायल सफल होने के बाद तीनों कैंपस पहुंचे बता दें कि फरीदाबाद धौज क्रेशर जोन में बड़े व भारी पत्थरों की तुड़ाई, पिसाई और धुलाई की मशीनें लगी है। यहां सौ से ज्यादा क्रेशर हैं, जिनमें तीन सौ से ज्यादा मशीनें हैं। ये जब चलती है तो बहुत शोर होता है। सफेदपोश आतंकियों ने ट्रायल को इसीलिए क्रेशर जोन चुना था, ताकि ट्रायल विस्फोट की आवाज शोर में दब-मिल जाए। ऐसा ही हुआ। ट्रायल सफल होने के बाद तीनों यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंचे और आकाओं को जानकारी दी थी। पुलिस और इंटेलिजेंस की लापरवाही उजागर 10/11 के आत्मघाती हमले से पहले सफेदपोश आतंकियों द्वारा फरीदाबाद में विस्फोट ट्रायल करने की बात सामने आने के बाद एनआईए ने हरियाणा पुलिस और इंटेलिजेंस टीम को घोर लापरवाह माना है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्रालय द्वारा हरियाणा पुलिस के गृह विभाग, हरियाणा के तत्कालीन डीजीपी व आइबी अधिकारियों से जवाबतलबी हो सकती है। दरअसल, इस जांच में जो नया तथ्य सामने आता है, उससे पीएम कार्यालय को अवगत कराया जाता है। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने इस बात को गंभीर माना है कि आतंकी हरियाणा के फरीदाबाद में काफी समय पहले से धमाकों की योजना बना रहे थे, ट्रायल तक अंजाम दिया गया और देश का सुरक्षा तंत्र गहरी नींद में सो रहा था।

दिल्ली सरकार पर अवमानना की कार्रवाई करेगा दिल्ली HC, तीन साल बाद भी दिव्यांगों को लेकर नहीं उठाया कोई कदम

नई दिल्ली। सरकारी विभागों में दिव्यांगों के लिए खाली पदों को भरने में नाकाम रहने पर दिल्ली हाई कोर्ट दिल्ली सरकार के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगा। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि खाली पदों को भरने के विस्तृत निर्देश देने के तीन साल बीतने के बाद भी सरकार भ्रमित करने वाला हलफनामा दाखिल करने के सिवा कुछ नहीं किया है। अदालत ने कहा कि सरकार का हलफनामा कोर्ट को भ्रमित करने की कोशिश है। सरकार सामान्य भर्ती को विशेष भर्ती अभियान के साथ मिला रही है, जहां खाली पदों को भरा जाना था। पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए एक विशेष भर्ती अभियान चलाने और खाली पदों को भरने के लिए विस्तृत निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई खास प्रयास नहीं किए गए। अदालत ने दिव्यांग उम्मीदवारों द्वारा भरे जाने वाले खाली पदों की संख्या की पहचान करने में देरी के लिए भी दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने सरकार के समाज कल्याण सचिव से कहा, डेटा एकत्रित करने में 12 महीने से ज्यादा समय लग गए, जबकि यह सब आसानी से किया जा सकता था? पीठ ने कहा अदालत किसी एक अधिकारी की बात नहीं कर रही है, बल्कि हम लापरवाही की बात कर हैं। यह टिप्पणी करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड नाम के एक गैर-लाभकारी संस्था से खाली पदों का विवरण देते हुए एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा। साथ ही यह भी कहा कि सरकार के खिलाफ अदालत की अवमानना का आदेश जारी करेंगे। पीठ ने कहा कि अदालत को हलफनामा दाखिल करके भर्ती प्रक्रिया के बारे में गुमराह किया है। पीठ ने याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में हलफनामा दाखिल करने को कहा। साथ ही सरकार को इस पर प्रत्युत्तर दाखिल करने का भी निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई तीन फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी। मार्च 2023 में अदालत ने दिल्ली सरकार को विभिन्न सरकारी विभागों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित खाली पदों को भरने के लिए एक विशेष भर्ती अभियान चलाने का आदेश दिया था। अदालत ने नोट किया था कि सीधे भर्ती कोटे के तहत दिव्यांगों के 1,351 खाली पद उपलब्ध है और इसमें से दृष्टिबाधित लोगों के लिए 356 खाली पद शामिल हैं।

प्रदूषण पर गाइडलाइन जारी करना जरूरी, दिल्ली की जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस मामले पर चिंता जताते हुए वायु प्रदूषण पर गाइडलाइन जारी करने पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह प्रभावी आदेश जारी करेगा, जिन्हें लागू किया जा सके। इसके अलावा अदालत ने कहा कि वह 17 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में गंभीर वायु प्रदूषण से जुड़े मामलों की सुनवाई करेगा। प्रदूषण के मुद्दे पर बोलते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हम समस्या जानते हैं और आइए ऐसे आदेश पारित करें जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें जबरदस्ती लागू किया जा सकता है। इन शहरी महानगरों में लोगों की अपनी जीवनशैली है, लेकिन गरीब लोगों का क्या? जो इससे सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। इससे पहले पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने कहा था कि वायु प्रदूषण पर याचिका को सिर्फ सबसे ज्यादा प्रभावित सर्दियों के महीनों में लिस्ट किए जाने वाले ह्लसामान्यह्व मामले के तौर पर नहीं माना जा सकता और कहा था कि इस समस्या का समाधान खोजने के लिए ऐसी सुनवाई महीने में दो बार की जाएगी। दिल्ली की हवा 'गंभीर' श्रेणी में बरकरार ग्रेप-क्ल की पाबंदिया लागू होने के बावजूद दिल्ली की हवा सोमवार को भी 'गंभीर' श्रेणी में बरकरार है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आज सुबह 10 बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 दर्ज किया गया। लगातार तीसरे दिन यही स्थिति बनी हुई है। एक-दो दिन अभी और अधिक राहत के आसार नहीं हैं। दूसरी तरफ आज सीजन का सबसे घना कोहरा छाया रहा। एक-दो दिन अभी और अधिक राहत के आसार नहीं हैं। दूसरी तरफ आज सीजन का सबसे घना कोहरा छाया रहा। आईजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता का स्तर 50 मीटर तक जबकि सफदरजंग पर शून्य रिकॉर्ड किया गया। आज का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री जबकि अधिकतम 24 से 25 डिग्री रहने की संभावना है।

राहुल गांधी बोले- असत्य के साथ खड़ा है चुनाव आयोग, हम लड़ रहे सच की लड़ाई

नई दिल्ली। लोकतंत्र की जमीन पर राजनीतिक टकराव बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में कथित वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस ने रविवार को रामलीला मैदान में ह्यवोट चोर, गद्दी छोड़ह्व रैली की। रैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका वाड्रा और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए अपनी लड़ाई को "सत्य बनाम असत्य की लड़ाई" बताया। राहुल ने कहा, चुनाव आयोग असत्य के साथ खड़ा है, जबकि हम सत्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा के पास सत्ता है, वो वोट चोरी करते हैं और चुनाव के समय 10 हजार रुपये देते हैं। प्रधानमंत्री चुनाव आयुक्तों के लिए नया कानून लेकर आए कि उन पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, लेकिन हम कानून बदलेंगे और कार्रवाई भी करेंगे। राहुल ने कहा, सर संघचालक मोहन भागवत ने अंडमान निकोबार में बयान दिया है- ह्यविश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है उसे माना जाता है ह्व यह उनकी सोच है, आरएसएस की विचारधारा है, लेकिन हम सत्य के पीछे खड़े होकर, नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस की सरकार को सत्ता से हटाएंगे। प्रियंका वाड्रा ने कहा, संसद में जब राहुल व खरगे ने वोट चोरी का मुद्दा उठाया तो भाजपा सरकार नहीं मानी। आखिर में सरकार ने कहा कि हम पहले "वंदे मातरम" पर चर्चा करेंगे। सरकार में जनता के मुद्दों पर बात करने की हिम्मत नहीं दिखी। वोट चोरी से जीत रही भाजपा, बैलेट से कभी नहीं जीत सकती, लेकिन चुनाव आयोग आंखें बंद करके बैठा है। प्रियंका ने मंच से तीनों चुनाव आयुक्तों के खिलाफ नारे भी लगवाए। खरगे ने कहा, गृहमंत्री ने संसद में अपने मन से जवाब दिए और गलत जानकारी पेश की। आज सत्ता में बैठे लोग जनता की पसंद से नहीं, बल्कि चुनावी गड़बड़ियों के जरिये चुने गए हैं। कांग्रेस इस सत्य को जनता तक पहुंचाएगी। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र, हरियाणा और आनंद में सत्ता में आई सरकारें वोट चोरी के जरिये बनी हैं। खरगे ने कहा, "वोट चोरी" करने वाले "गद्दार" हैं और मतदान के अधिकार व संविधान की रक्षा के लिए इन्हें सत्ता से हटाना जरूरी है। मोहन भागवत, एमएस गोलवलकर और मनुस्मृति की विचारधारा देश को बर्बाद कर देगी, केवल कांग्रेस की विचारधारा ही इसे बचा सकती है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि 77 साल पहले कांग्रेस ने लोगों को वोट की ताकत दी थी, लेकिन भाजपा आज इसे कमजोर कर रही है। हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव के लिए हम लोग राहुल गांधी के नेतृत्व में अभियान चलाएंगे। वरिष्ठ नेता नेता सचिन पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं को खोखला कर रही है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का कहना था कि राहुल गांधी सत्ता के नहीं, संघर्ष के साथी हैं। वह हर अन्याय के खिलाफ हमेशा खड़े रहेंगे।

अनमोल बिश्नोई तिहाड़ की हाई-सिक्योरिटी सेल में बंद, दुश्मन गैंगों से खतरे के बीच 24 घंटे रखी जाती है नजर

पश्चिमी दिल्ली। अमेरिका से निर्वासित किए गए कुख्यात गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को दिल्ली की तिहाड़ जेल संख्या चार के हाई-सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। यहां उसे जिस सेल में रखा गया है उसपर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। जेल के अंदर उनके कई दुश्मन गिरोहों के सदस्य पहले से बंद हैं, इसे देखते हुए सेल के आसपास की निगरानी पर भी प्रशासन का पूरा ध्यान है। अनमोल को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की 2022 में हत्या, एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की 2024 में हत्या और पिछले साल अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की घटना में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया था। एनआइए की हिरासत खत्म होने के बाद उन्हें शुक्रवार को तिहाड़ जेल भेज दिया गया। अनमोल लारेंस बिश्नोई का छोटा भाई है, जो 2023 से गुजरात की साबरमती जेल में बंद हैं। सुरक्षा पर क्यों विशेष ध्यान तिहाड़ में गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गिरोह के सदस्यों के अलावा नीरज बवाना, हिमांशु भाऊ, कौशल, जग्गू भगवानपुरिया और बंबीहा ग्रुप के सदस्य भी बंद हैं। इनसे अनमोल को गंभीर खतरा है। मई 2023 में तिहाड़ जेल संख्य आठ के हाइ रिस्क वार्ड में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र गोगी गिरोह के सदस्यों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इस घटना को ध्यान में रखते हुए जेल प्रशासन कोई रिस्क नहीं लेना चाहता। हाई-सिक्योरिटी सेल के विशेष इंतजाम अनमोल को अकेले रखा गया है, जहां केवल हाई-सिक्योरिटी कैदी रखे जाते हैं। सेल में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बाहर एक वार्डर और तमिलनाडु स्पेशल पुलिस (टीएनएसपी) का जवान तैनात है। भोजन एक सेवादार कोठरी के अंदर ही पहुंचाता है, ताकि वह अन्य कैदियों से न मिले।

युवाओं में अचानक मौत का कोरोना टीकाकरण से संबंध नहीं, एम्स के अध्ययन में सामने आई जानकारी

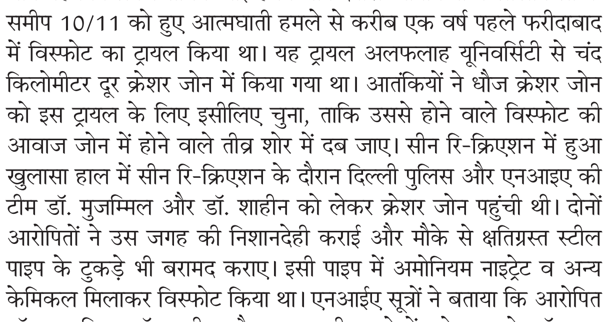

दिल्ली। युवाओं में आकस्मिक मौतों का कोरोना टीकाकरण से संबंध का कोई वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं मिला है। युवाओं की आकस्मिक मौत हृदयघात के चलते हुई है। यह जानकारी भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की पहल पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है। एम्स के पैथोलॉजी और फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञों ने यह अध्ययन मार्च 2023 से अप्रैल 2024 के बीच किया। जिसमें कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी सहित कई विभागों के डॉक्टर शामिल हुए। यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के दौरान एम्स में कुल 2214 शवों का पोस्टमार्टम किया गया। जिसमें 180 मामले आकस्मिक मौत के थे। इनमें 57.2 फीसदी मृतकों की उम्र 18 से 45 वर्ष और 42.8 फीसदी मृतकों की उम्र 46 से 65 वर्ष थी, जबकि युवाओं की औसत उम्र 33.6 वर्ष मिली। अध्ययन में आकस्मिक मौत के कारणों को लेकर सामने आया कि 42.6 फीसदी मामलों में मौत का कारण हृदयघात रहा जबकि 21.3 फीसदी मामलों की आकस्मिक मौत अचानक सांस संबंधी परेशानी के चलते हुई। वहीं 21.3 फीसदी मामलों में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। जिन युवाओं की आकस्मिक मौत हुई। उसमें 57.4 फीसदी युवा धूम्रपान, 52.1 फीसदी शराब का सेवन करते थे। जबकि 46 से 65 वर्ष के उम्र वालों में यह आंकड़ा और अधिक मिला। इसमें 66.2 फीसदी लोग धूम्रपान और 64.7 फीसदी शराब का सेवन करते थे। वहीं 14.9 फीसदी युवाओं और 20.6 फीसदी से ज्यादा उम्र के मृतकों के परिवारों में पहले भी आकस्मिक मौत की घटनाएं हो चुकी थीं।

दिल्ली के इस मेट्रो स्टेशन पर जाम से मिलेगी राहत, 10 करोड़ की लागत से होगा सड़क का चौड़ीकरण; काम शुरू

> बाहरी दिल्ली में रिठाला मेट्रो स्टेशन से सप्लीमेंट्री ड्रेन तक लगने वाले जाम से वाहन चालकों को जल्द राहत मिलेगी। 9.5 करोड़ रुपये की लागत से सड़क चौड़ीकरण और नाले बनाने का काम शुरू हो गया है। स्थानीय सांसद और विधायक ने इस परियोजना का शिलान्यास किया। छह महीने में सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूरा हो जाएगा।

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में रिठाला मेट्रो स्टेशन से सप्लीमेंट्री ड्रेन तक लगने वाले रोजाना के जाम से वाहन चालकों को जल्द राहत मिलने जा रही है। इस रोड के चौड़ीकरण और नाले बनाने का काम शनिवार से शुरू हो गया है। करीब 9.5 करोड़ रुपये की लागत से दोनों तरफ 600 मीटर तक सड़क नए सिरे से बनाई जा रही है। इसके साथ ही सप्लीमेंट्री ड्रेन के ऊपर बने मुख्य पुल के अलावा साथ में बनी पुलिया से भी अब आसानी से वाहन चालक निकल सकेंगे। छह महीने में सड़क चौड़ीकरण व नाले निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा। इस कार्य का शिलान्यास स्थानीय सांसद योगेंद्र चांदोलिया व विधायक कुलवंत राणा ने शनिवार को किया है। फिलहाल दोनों तरफ कच्ची सड़क होने से हर समय धूल उड़ती रहती है। पिछले 11 वर्षों से लोग इस समस्या जूझ रहे हैं। वहीं, कई स्थानों पर यह कच्ची सड़क बंद है। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। कच्ची सड़क से मुख्य सड़क दो से ढ़ाई फुट ऊंची है। ऐसे में आए दिन दो पहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो जाते हैं। वर्षा के दिनों में कच्ची सड़क पर कीचड़ होने से यहां से निकलने में भारी परेशानी होती है। वहीं, दोनों तरफ स्ट्रीट लाइट भी नहीं है। शाम के समय अंधेरा छा जाता है। स्थानीय विधायक कुलवंत राणा ने बताया कि पीडब्ल्यूडी सड़क परियोजना के तहत सड़क को चौड़ा किया जा रहा है, दोनों ओर नालों का निर्माण होगा, जिसे पूरी तरह से कवर किया जाएगा। पूरे मार्ग पर उचित प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी। वहीं, यूईआर-2 तक वाहन चालक आसानी से पहुंच सकेंगे। उड़ती धूल से मिलेगी राहत, सुरक्षित निकल सकेंगे वाहन चालक राणा ने कहा कि सड़क के निर्माण के बाद लोगों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही, सड़क के पक्के होने से क्षेत्र में उड़ने वाली धूल कम होगी, जिससे प्रदूषण के स्तर में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि यह कार्य क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर विधायक ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब वर्मा और सांसद योगेन्द्र चंदोलिया का आभार व्यक्त किया। वहीं, कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता नरेश कुमार, सहायक अभियंता शशांक, कनिष्ठ अभियंता सुभाष बिश्नोई सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें। वहीं, क्षेत्रीय निगम पार्षद नरेंद्र सोलंकी, सतबीर चौहान, हेमंत सिंघल, प्रवीण सेठ, आशीष चोपड़ा, सरोज, संदीप कालिया के अलावा अन्य लोग मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री छात्र परिवहन सुरक्षा योजना का बढ़ेगा दायरा, इन 2 जिलों में बनाए जाएंगे सुपर-100 केंद्र

चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में हुई शिक्षा विभाग की अहम बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। बैठक में यह तय किया गया कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री छात्र परिवहन सुरक्षा योजना का दायरा अब और बढ़ाया जाएगा। पहले यह योजना प्रदेश के 22 जिलों के 22 ब्लॉकों तक सीमित थी, लेकिन अब जहां से भी मांग आएगी, वहां विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। सरकार विद्यार्थियों के स्कूल आने-जाने के परिवहन खर्च को खुद वहन करेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पानीपत और गुरुग्राम के नौरंगपुर में दो नए सुपर-100 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों की स्थापना प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री स्वयं सुपर-100 कार्यक्रम के चयनित विद्यार्थियों, एचीवर्स और मेंटर्स के साथ संवाद करेंगे। इसके लिए आवश्यक तैयारियां शिक्षा विभाग द्वारा की जाएंगी। इसरो भ्रमण कर चुके सभी बैचों के विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री संवाद करेंगे, जिनमें आईटीआई और पॉलिटेक्निक के छात्र भी शामिल होंगे। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्कूलों में करियर मार्गदर्शन पर भी जोर दिया गया है। अब विद्यालयों में ऑनलाइन और ऑफलाइन करियर काउंसलिंग मॉड्यूल शुरू किए जाएंगे। प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान साप्ताहिक करियर जागरूकता सत्र आयोजित होंगे।

इसके लिए विशेष पुस्तकें और सूचना आधारित मॉड्यूल स्कूलों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसके अलावा 7 से 8 गांवों के क्लस्टर बनाकर किसी एक गांव में मोबाइल डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इसकी शुरूआत पंचकूला जिले के मोरनी क्षेत्र से की जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि शिक्षा की सुविधाएं अंतिम छोर तक पहुंचें और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल सकें।

गोहाना में महिला एएसआई की मौत... जींद में थी तैनाती

गोहाना : हरियाणा में कोहरे का कहर लगातार दूसरे दिन भी जारी है गोहाना के पास नूरन खेड़ा दिल्ली से जींद ग्रीन फील्ड हाइवे एवं जम्मू कटरा एक्सप्रेस के नजदीक ट्रक चालक की लापरवाई से एक कार ट्रक मे जा टकराई जिसमें एक महिला चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला का नाम सीमा निवासी मुरथल जिला सोनीपत जोकि हरियाणा पुलिस में जींद में ASI के पद कार्यरत थी। मृतक महिला सीमा अपने घर से ड्यूटी के लिए जींद जा रही है। सूचना के बाद गोहाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गोहाना के नागरिक हॉस्पिटल भिजवाया दिया। पुलिस ने मृतक महिला के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है। उसके बाद मृतक महिला के परिजन गोहाना के नागरिक हॉस्पिटल पहुंचे। गोहाना पुलिस आगामी कार्यवाही में लगी हुई है, उधर पुलिस ने इस पूरे मामले में मृतक महिला के प्रश्नों के बयान पर ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

खबर एक्सप्रेस

बीमारी से परेशान 9वीं की छात्रा ने फंदा लगाकर की जीवन लीला समाप्त

गुड़गांव, (ब्यूरो): सेक्टर-5 थाना एरिया के महावीर पुरा में बीमारी से परेशान 9वीं कक्षा की छात्रा ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और कार्रवाई शुरू कर दी।जानकारी अनुसार, बिहार के नवादा निवासी शिवानी अपने परिवार के साथ गुड़गांव के महावीरपुरा में रहती थी। वह गुरुग्राम एक स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ती थी। करीब चार माह पहले शिवानी का अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद वह मानसिक परेशान रहने लगी थी। जिसको लेकर परिजनों ने उसे कई बार समझाया भी था। 14 दिसंबर की सुबह शिवानी के पिता छत पर और मां बाहर आंगन में थी। ऐसे में शिवानी ने कमरे में जाकर चुन्नी से फंदा लगा लिया। जब काफी देर तक शिवानी बाहर नहीं आई तो उसकी मां ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई आवाज न आने पर परिवार वालों ने खिड़की तोड़कर अंदर देखा तो शिवानी फंदे पर लटकी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं एफएसएल व फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीमों से निरीक्षण कराकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया और कार्रवाई शुरू कर दी।

ऑडिट में देरी के कारण होता है इंपोर्टेड लीकर का खेल

गुड़गांव : पिछले दिनों गुड़गांव में पकड़ी गई 3921 पेटी इंपोर्टेड शराब के मामले में कस्टम विभाग की स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम ने लीकर वेंडर को नोटिस जारी की है। इस मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी जांच की जा रही है। मामले की जांच पकड़ी गई शराब के स्टॉक और अधिकारियों और ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है। बोतल पर निर्धारित होलोग्राम, स्ट्रिप आदी होने चाहिए थे ताकि बोतलों को ट्रैक किया जा सके, लेकिन इसे कस्टम ड्यूटी से बचाने के लिए इसे फिक्टीशिय कस्टम बॉन्ड (वेयरहाउस) में रखा गया था और यहीं से ही इसे मार्केट में भेजा जाता था। सस्ते दर पर उपलब्ध होने के कारण इस इंपोर्टेड शराब का दिल्ली एनसीआर में कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। अधिकारियों की मानें तो यह पूरा कारोबार ऑडिट में देरी होने के कारण चलता है। इसमें स्थानीय अधिकारियों की भी मिलीभगत की आशंका है जोकि इनकी कस्टम ड्यूटी की जांच तक नहीं करते। पिछले पांच वर्ष से इस कारोबार में तेजी आई है। आमतौर पर कस्टम में हर पांच साल में ऑडिट होता है, लेकिन अभी साल 2012 के स्टॉक का ऑडिट हो रहा है। ऐसे में साल 2025 के स्टॉक का ऑडिट होने में और देरी होगी। इसी देरी का फायदा यह लीकर वेंडर उठाते हैं और अधिकारियों से मिलीभगत कर इस पूरे खेल को खेलते हैं। अधिकारियों की मानें तो इंपोर्टेड लीकर पहले सरकारी वेयरहाउस में आती हैं और इसके बाद अलग-अलग प्राइवेट वेयरहाउस में भेजी जाती हैं। कस्टम में रजिस्ट्रेशन के बाद इन्हें आगे भेजा जाता है। 90 दिन में कस्टम ड्यूटी का पेमेंट सर्कल पूरा करना होता है। जब यह लीकर एक वेयरहाउस से दूसरे वेयरहाउस में जाती है तो इसमें कस्टम ड्यूटी देने की जिम्मेदारी भी दूसरे वेयरहाउस पर चली जाती है और इस लीकर की कस्टम ड्यूटी भरने के दौरान एक डॉक्यूमेंट भी अपलोड किया जाता है जिसमें लीकर मूवमेंट दिखाई जाती है। अधिकारियों की मानें तो कस्टम विभाग के पास 157 वेयरहाउस रजिस्टर्ड हैं जिसमें से 58 नकली बताए जा रहे हैं। 90 दिन में कस्टम ड्यूटी का भुगतान नहीं किया जाता और इन्हें एक से दूसरे वेयरहाउस में शिफ्ट किया जाना बताया जाता है। नियमानुसार 90 दिन में कस्टम ड्यूटी का भुगतान न होने पर वेयरहाउस के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्टॉक को जब्त किया जाना चाहिए, लेकिन कुछ अधिकारी ऐसा नहीं करते और व्यापारियों के साथ मिलकर नकली वेयरहाउस के खिलाफ नोटिस जारी कर खानापूर्ति कर देते हैं और आगे कोई कार्रवाई नहीं करते। अधिकारियों के मुताबिक, इन गड़बड़ियों की जांच ऑडिट के दौरान हो सकती है। कितना स्टॉक आया और कितनी कस्टम ड्यूटी प्राप्त हुई, लेकिन जिस तरह से ऑडिट किया

कैब के पीछे से टकराई तेज रफ्तार बाइक, 100 मीटर तक घिसटती गई बाइक

गुड़गांव, (ब्यूरो): एंबियंस मॉल के पास तेज रफ्तार बाइक कैब में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर करीब 50 मीटर दूर तक घिटसता गया जबकि उसकी बाइक करीब 100 मीटर दूर तक घिसटती गई। यह घटना पीछे से आ रहे एक अन्य बाइक सवार के हेल्मेट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घायल को लोगों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया।सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो रही है। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि एक तेज रफ्तार बाइक दिल्ली से गुड़गांव की तरफ आ रही है। बाइक सवार काफी तेज गति में था और इसी दौरान कैब सवार अपनी कैब को लेफ्ट लेन में ले जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार कैब के पिछले हिस्से में टकरा गया और वह जमीन पर गिरते हुए करीब 50 मीटर दूर तक घिसटता गया। जबकि उसकी बाइक करीब 100 मीटर दूर तक गई। पूरा घटनाक्रम पीछे से आ रहे एक अन्य बाइक राइडर के कैमरे में कैद हो गया जिन्होंने उस घायल की सहायता करते हुए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

स्क्रैप के वजन में हेराफेरी करने पर धर्मकांटा संचालक और ड्राइवर पर केस

गुड़गांव, (ब्यूरो): सेक्टर-10ए थाना एरिया में धर्मकांटा से मिलीभगत कर स्क्रैप के वजन में कमी करके लाखों की हेराफेरी करने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने धर्मकांटा संचालक और ड्राइवर पर केस दर्ज कर लिया है।पुलिस को दी शिकायत में यूपी के सुल्तानपुर निवासी पंच बहादुर यादव ने बताया कि उसकी कंपनी ने गुडगांव में एनबीसीसी ग्रीन व्यू अपार्टमेंट्स के डेमोलिशन का काम ले रखा है। यहां से निकले आयरन स्क्रैप को ट्रकों में भरकर पंजाब भेजा जाता है। ट्रकों को द्वारका एक्सप्रेसवे पर श्री राम धर्मकांटा पर वजन करवाने भेजा जाता है। धर्मकांटा पर कम वजन दर्ज किया जाता था, जिससे अतिरिक्त स्क्रैप को ड्राइवर और धर्मकांटा संचालक मिलकर कहीं और बेच देते थे। जब उन्हें इसका शक हुआ तो उन्होंने एक ट्रक में स्क्रैप लोड कराया और श्री राम धर्मकांटा पर भेज दिया। जहां उसका वेट पर मात्र 32,370 किलोग्राम दिखाया गया। लेकिन अन्य धर्मकांटा पर वेट कराया तो उसका वजन 34,390 किलोग्राम पाया गया। एक गाड़ी से ही करीब दो टन स्क्रैप हेराफेरी कर बेचा गया है। जबकि उनके यहां से 80 गाडिड्डां स्क्रैप की श्री राम धर्मकांटा पर वेट होकर जा चुकी हैं। इस तरह धर्मकांटा संचालक व ड्राईवर ने उनकी कंपनी को लाखों की चपत लगा दी है। पुलिस ने ट्रक चालक व धर्मकांटा संचालक पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

हरियाणा में 44 जूनियर कोचों की नौकरी पर संकट, जांच में अयोग्य मिले

चंडीगढ़ : हरियाणा खेल विभाग में कार्यरत 44 जूनियर कोचों की नौकरी पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। विभागीय जांच में ये सभी खिलाड़ी हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी (ग्रुप-A, B और c) सेवा नियम-2021 की शर्तों को पूरा नहीं करते पाए गए हैं। अब राज्य सरकार को इनके भविष्य को लेकर अंतिम निर्णय लेना है।

जानकारी के अनुसार, इन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने के आधार पर जूनियर कोच (OSP) के पद पर नियुक्त किया गया था। हालांकि 2021 में लागू सेवा भर्ती नियमों के तहत यह अनिवार्य है कि संबंधित खिलाड़ी ने ओलंपिक में शामिल खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। जांच में सामने आया कि 44 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है, जिससे वे नियमों के तहत अयोग्य हो गए। खेल विभाग ने पिछले साल इन खिलाड़ियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके बाद मामला न्यायालय पहुंचा, जहां प्रिया सांगवान केस के आधार पर खिलाड़ियों को अस्थायी राहत मिल गई थी। लेकिन खेल विभाग ने इस आदेश के खिलाफ जनहित याचिका (PIL) दायर की, जिस पर स्टे हटा लिया गया। अब विभाग को कानूनी रूप से निर्णय लेने का अधिकार मिल गया है।

नौकरी पर मंडराया खतरा

सूत्रों के मुताबिक, मामले में कानूनी सलाह लेने के लिए फाइल एडवोकेट जनरल कार्यालय को भेजी गई है। यदि वहां से कोई राहत नहीं मिलती है तो इन 44 खिलाड़ियों को नौकरी से हटाया जा सकता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि कोर्ट का फैसला विभाग के पक्ष में आ चुका है, इसलिए अंतिम निर्णय से पहले विधिक राय लेना आवश्यक है।

आवेदन रद्द होने खुला भेद

इस मामले से जुड़ा एक और पहलू भी सामने आया है। खेल विभाग ने 2018 की नीति और 2021 के नियमों के तहत कुल 77 खिलाड़ियों को नियुक्त किया था। इनमें से करीब 50 अन्य खिलाड़ियों के आवेदन पहले ही खारिज कर दिए गए थे, जिसके बाद उन्होंने भी कोर्ट का रुख किया। जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 44 जूनियर कोचों को अनजाने में नियुक्ति दे दी गई थी।

मारपीट कर दो युवकों से लूट, केस दर्ज

गुड़गांव, (ब्यूरो): गुड़गांव में दो अलग-अलग स्थानों पर युवकों से मारपीट कर लूट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सेक्टर-65 थाना पुलिस को दी शिकायत में मूल रूप से एमपी के सागर जिले के रहने वाले राजा ने बताया कि वह वर्तमान में गुड़गांव के बेगमपुर में रहता है। कल रात को वह बहरामपुर के पास से गुजर रहा था तो दो युवकों ने उसे पकड़ लिया। उसके साथ मारपीट कर 1500 रुपए लूट लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वहीं, सेक्टर-29 थाना पुलिस को दी शिकायत में डीएलएफ फेज-2 निवासी वैभव अग्रवाल ने बताया कि 12 दिसंबर को वह लेजरवैली पार्क के पास से जा रहा था कि दो युवकों ने उसके साथ मारपीट कर उसकी तीन तोले की सोने की चेन छीन ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 3(5), 304 के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आप्रेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन: 803 ठिकानों पर छापेमारी, 39 खूंखार अपराधियों समेत 173 गिरफ्तार

चंडीगढ़ : अपराध और नशा तस्करी के नैटवर्क को जड़ से खत्म करने के मिशन के तहत हरियाणा पुलिस ने शनिवार को 'आ प्रेश न हॉट स्पॉट डोमिनेशन' के तहत राज्यव्यापी कार्रवाई को नई गति दी। 13 दिसंबर 2025 को चलाए गए इस व्यापक अभियान में पुलिस टीमों ने एक साथ 803 चिह्नित नशा और जुआ हॉटस्पॉट्स पर दबिश दी। इस आप्रेशन ने फरार और हिंसक अपराधियों की गिरफ्तारी में बड़ी सफलता हासिल की, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था और भी मजबूत हुई। पुलिस ने 173 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया और विभिन्न धाराओं के तहत 75 नए मामले दर्ज किए। इनमें आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज तीन मामले भी शामिल हैं, जिनमें 4 आरोपियों को अवैध हथियार रखने के जुर्म में सजा हुई है। साथ ही, पुलिस ने 39 फरार हिंसक अपराधियों को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया, जो लंबे समय से कानून की गिरफ्ता से बाहर थे। पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ 30 महत्वपूर्ण इंटैलीजेंस रिपोर्ट साझा की गई, जबकि विदेश में छिपे अपराधियों के खिलाफ लुकआऊट सर्कुलर भी जारी किया गया। पलवल में 20 लाख रुपए जब्त इस अभियान के दौरान अपराधियों पर आर्थिक प्रहार करते हुए पुलिस ने नकदी, नशीले पदार्थ और अवैध वाहन बड़ी मात्रा में जब्त किए। कुल 28,68,430 रुपए की नकदी बरामद की गई, जिसमें पलवल जिले से 20 लाख रुपए और सिरसा से 8 लाख रुपए की बड़ी बरामदगी शामिल है। पुलिस ने 12.12 किलोग्राम गांजा, 150 ग्राम अफीम, 220 ग्राम चरस/सुल्फा और 453 ग्राम हैरोइन जब्त की। इसके अलावा अपराध में प्रयुक्त 2 कार, 4 मोटरसाइकिल, 3 स्कूटी/एक्टिवा, 1 ई-रिक्शा और 7 मोबाइल फोन व सिम कार्ड भी जब्त किए गए। साथ ही, पुलिस ने 2 देसी कट्टे, 1 पिस्टल भी बरामद की।वर्क फ्रॉम होम' के नाम पर टास्क फ्रॉड, 2 गिरफ्तार साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने 'प्री-पेड टेलीग्राम टास्क' के नाम पर 9.34 लाख रुपए की ठगी करने वाले 2 आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया। सीकर निवासी करण मीणा और रविंद्र ने फर्जी लिंक के जरिए पीडित को गूगल मैप रेटिंग टास्क में फंसाया था। रविंद्र को 2 दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी है, जबकि करण को जेल भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पूर्व में भी इस गिरोह से जुड़े कई आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और अब मुख्य सरगनाओं तक पहुंचने की कार्रवाई चल रही है।

कुरुक्षेत्र में पशु मेले में पहुंचा पंजाब का सफेद रंग का घोड़ा

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र के पिहोवा पशु मेले में 1 करोड़ का घोड़ा पहुंचा है। यह घोड़ा पंजाब के संगरूर से लाया गया है। घोड़े का नाम प्रताप रूप है, जो सिर से पैर तक पूरी तरह सफेद है। घोड़े की उम्र 28 महीने की है और यह 67 इंच ऊंचा है। लोग घोड़े के साथ फोटो खिंचवाने आ रहे हैं। घोड़े के मालिक सरपंच हरप्रीत सिंह और उनके पिता निर्भय सिंह ने बताया कि इसकी 1 करोड़ रुपए तक की कीमत लग चुकी है। लेकिन तब भी उन्होंने इसे नहीं बेचा। घोड़े को 3 टाइम अलग-अलग डाइट दी जाती है। सर्दियों में उसे दूध में बादाम उबालकर दिए जाते हैं। इसके अलावा नहलाकर एक घंटे तेल मालिश की जाती है। जानें घोड़े की तीनों टाइम की डाइट सुबह के समय प्रताप को 2 से 3 किलो काले चने दिए जाते हैं। 11 बजे उसे फॉर्म में घुमाने के लिए लेकर जाते हैं। दोपहर को फॉर्म में उसे खुला रखते हैं, जहां वो घास चरता है। शाम को प्रताप रूप को घर लाकर दूध पिलाते हैं। सर्दी में दूध में बादाम को डालकर उबालकर दिया जाता है। इसके बाद खाने के लिए उबला जौ भी देते हैं। गर्मी के दिनों में उसे सेब भी दिए जाते हैं।

'सौ चूहें खाकर बिल्ली हज को चली'...वोट चोरी पर INLD प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा का कांग्रेस पर साधा निशाना

रोहतक : इनेलो पार्टी को कांग्रेस पार्टी का वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा रास नहीं आ रहा है। इनेलो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा का कहना है कि कांग्रेस पार्टी को क्या अब वोट चोरी नजर आई है, यह तो वही बात हुई कि सौ चूहें खाकर बिल्ली हज को चली। कांग्रेस पार्टी ने अपनी सत्ता के दौरान सत्ताधारी सरकारों को तोड़कर, अपनी सरकार बनाना, बहुमत पाए दलों को शपथ न लेने देना, इमरजेंसी लगाकर देश के बड़े-बड़े नेताओं को जेल के अंदर बंद करना। यह सब कांग्रेस पार्टी ने अपनी सत्ता के दौरान किए थे और अब वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। रामपाल माजरा आज रोहतक में स्थित इनेलो कार्यालय के अंदर कार्यकताओं की बैठक लेने पहुंचे थे।

2026 तक पूरे हरियाणा में इनेलो पार्टी की लहर होगी- रामपाल माजरा

उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा प्रदेश सरकार के दौरान घोटालों की भरमार रही है। चाहे वह धान घोटाला हो, शराब घोटाला हो या फिर रजिस्ट्री घोटाला। इसकी लिस्ट काफी लंबी है और इन सब घोटालों में भारतीय जनता पार्टी के नेता अधिकारी व कर्मचारी शामिल है। जिनकी लिस्ट काफी लंबी है और ऐसे ही मुद्दों को लेकर इनेलो पार्टी सड़क पर लड़ाई लड़ रही है।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती को लेकर काम चल रहा है और 2026 तक पूरे हरियाणा में इनेलो पार्टी की लहर होगी। इस दौरान अन्य पार्टियों से नेता इनेलो पार्टी में शामिल भी होंगे। साथ ही उन्होंने जेजेपी को जवाब देते हुए कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने अपने जीते जी ही इनेलो पार्टी की कमान अभय सिंह चौटाला को दे दी थी और आम जनता के सामने यह मैसेज दिया था कि उनके राजनीतिक वारिस अभय सिंह चौटाला ही है। अब पोस्टर तो बड़े नेताओं के कोई भी लगा सकता है। हम तो चाहते हैं कि चौधरी देवीलाल और ओमप्रकाश चौटाला का फोटो बीजेपी और कांग्रेस पार्टी भी अपने बैनर पर लगाएं।

शहर में तोड़ी गई अवैध कॉलोनी, डीटीपी ने कहा- 18 एकड़ में बिना अनुमति के बसाई

फरीदाबाद : फरीदाबाद में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से सटे कैल गांव के पास स्थित कैली बाइपास रोड पर विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी के खिलाफ टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (डीटीपी) विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से बने मकानों और दुकानों को तोड़ दिया। डीटीपी अधिकारियों के अनुसार, करीब 18 एकड़ भूमि पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के कॉलोनी बसाई जा रही थी। इस क्षेत्र में कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका था और वहां दुकानें व मकान बनाए जा चुके थे। विभाग की ओर से पहले ही संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर परिसर खाली करने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद यह तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। नियमों का अल्लंघन किया गयाडीटीपी यजन चौधरी ने बताया कि कॉलोनी विकसित करने के लिए विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई थी, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया है और इस मामले से जुड़ी सभी आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई पुलिस को सौंप दी गई है। डीलरों की जांच करेगा विभाग उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस अब इस प्रकरण में शामिल डीलरों की भूमिका की जांच करेगी। विभाग ने संकेत दिए हैं कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, क्योंकि एक ही दिन में सभी अवैध निर्माण हटाना संभव नहीं है। जिन इमारतों पर अभी कार्रवाई नहीं हुई है, उन्हें खाली करने की अपील की गई है ताकि लोगों का सामान सुरक्षित रह सके।

हरियाणा में बाजरा किसानों की बल्ले-बल्ले, सरकार ने जारी किए 380 करोड़

चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि सरकार ने भावांतर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रुपए बाजरा उत्पादक किसानों के लिए जारी किए हैं। किसानों की समृद्धि के बिना प्रदेश में खुशहाली नहीं आ सकती, इसलिए किसान हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं। किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक के कृषि यंत्रों पर सबसिडी दी जाती है। यदि प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होता है तो मुआवजे व फसल बीमा का प्रावधान है। कटाई के बाद फसल के दाने-दाने की खरीद की व्यवस्था की गई है और भुगतान सीधा किसान के खाते में डाला जाता है। वह रविवार को अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर में किसान मोर्चा के पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने किसान मोर्चा के पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे प्रदेश के किसानों को सूक्ष्म सिंचाई के प्रति प्रेरित करें, इससे जहां पानी की बचत होगी वहीं फसल पर किसान की लागत में भी कमी आएगी। 11 सालों में फसल खराबे के मुआवजे के रूप में 15,728 करोड़ रुपए दिए उन्होंने कहा कि आज किसान की सभी 24 फसलों की खरीट न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रह है। आपदा के समय किसानों के साथ सरकार खड़ी रहती है। पिछले 11 सालों में किसानों को फसल खराबे के मुआवजे के रूप में 15,728 करोड़ रुपए दिए हैं। खरीफ सीजन-2025 की फसलों को प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के लिए 53,821 किसानों को 116 करोड़ 51 लाख रुपए से अधिक की राशि मुआवजे के रूप में जारी की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म कर दिया है।

यही नहीं किसानों की तरफ पिछले आबियाने का 133 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपए बकाया माफ किया गया। हरियाणा आप्रेशनल पायलट परियोजना के अंतर्गत राज्य में अब तक 1 लाख 54 हजार 985 एकड़ भूमि का सुधार किया जा चुका है। प्राकृतिक खेती योजना के तह 31,873 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खे अपनाने के लिए 19,723 किसा का सत्यापन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि हाल ही किसानों की पैक्सों की तरफ बका अतिदेय ऋण की समस्या समाधान के लिए एकमुश्त निपट योजना शुरू की गई। इस योज तहत प्रदेश के 6 लाख 81 हजा 182 किसानों और गरीब मजद का 2 हजार 266 करोड़ रुपए क ब्याज माफ किया है। उन्होंने कहा कि बैंकों से किसा के लेन-देन पर लगने वाली स्टाम फीस 2000 रुपए से घटाकर 10 रुपए की गई है। साल से अधिन पुराने रजबाहों को भी दोबारा पक्क किया जाएगा।

भारत ने रचा इतिहास, धर्मशाला टी20आई जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20आई मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20द्व इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा

इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत ज्ञ20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत

भारत - 34 मैचों में 20 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 28 मैचों में 19 जीत
वेस्टइंडीज - 26 मैचों में 14 जीत
पाकिस्तान - 27 मैचों में 14 जीत
इंग्लैंड - 28 मैचों में 13 जीत

लक्ष्य का आसानी से पीछा

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को 118 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए 15.5 ओवर में ही सात विकेट रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया, जिससे मैच में भारत का दबदबा साफ नजर आया।

ऑलराउंड प्रदर्शन से सीरीज में बढ़त

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के संयुक्त प्रयास से दक्षिण अफ्रीका को सीम और उछाल मददगार परिस्थितियों में 117 रन पर समेट दिया गया। इसके बाद भारत ने 25 गेंद शेष रहते 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। सात ओवर के भीतर 30/4 पर सिमटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले में 18 गेंदों पर 35 रन बनाए। शुभमन गिल (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 25) को रन बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई, जबकि सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि अभिषेक की शुरुआती आक्रामक बल्लेबाजी के चलते लक्ष्य हमेशा भारत की पहुंच में रहा और अंत में शिवम दुबे (नाबाद 10) ने शानदार शॉट्स लगाकर मैच खत्म किया।

चौथे टी20 में शुभमन की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

–टीम में हो सकते हैं तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैसमन को अवसर मिल सकता है। गुरुवार को लखनऊ में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में तीन बदलाव कर सकती है। इसके तहत ही उपकप्तान शुभमन गिल की जगह पर पारी की शुरुआत के लिए सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अक्टूबर 2025 के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें जगह देने की मांग उठ रही है। वहीं शुभमन पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 रन बनाये थे जबकि दूसरे मैच में वह शून्य पर ही आउट को गये थे। तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में अंतिम ग्यारह में उन्हें जगह मिलना कठिन है। .

सैमसन के अलावा स्पिनर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इस मैच में शामिल किया जा सकता है। तीसरे टी20 में इन दोनो को ही आराम दिया गया था। अब देखना अक्षर और बुमराह के शामिल होने से किसे बाहर किया जाता है। तीसरे टी20 में इनकी जगह पर हर्षित राणा और कुलदीप यादव को मौका मिला था और दोनों ने दो-दो विकेट लेकर अपने को साबित किया था।

वहीं अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और हर्षित को बनाये रखता है तो अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को बाहर किया जा सकता है। हर्षित और कुलदीप की तरह अर्शदीप और वरुण ने भी तीसरे टी20 में दो-दो विकेट लिए थे। चौथे टी20 में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

खराब फार्म की बात से सूर्यकुमार ने इंकार किया, बोले जब जरुरत होगी रन आयेंगे

धर्मशाला । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर रन बनाने में असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी वह 12 रन ही बना पाये। वहीं जब उनसे फार्म में नहीं होने को लेकर पूछा गया तो सूर्यकुमार का जवाब सुनकर सभी हैरान हो गये। सूर्या ने लय में नहीं होने की बात को खारिज करते हुए कहा कि जब जरुरत होगी तो आ जाएंगे। कप्तान के तौर पर उनके इस बयान की आलोचना भी हो रही है। सभी प्रशंसकों का मानना है कि टीम जीत रही है, इसी लिए अधिक सवाल नहीं उठ रहे हैं पर कप्तान को आगामी विश्वकप को देखते हुए रन बनाने ही होंगे। विश्वकप से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी20 और उसके बाद नए साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने नेट में अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे।' सूर्यकुमार ने इस सीरीज के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं हालांकि रन नहीं बना पाया हूं। ' उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की है।

बीसीसीआई ने जारी कर दिया फरमान !, रोहित-विराट को भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने होंगे दो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी , 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं सीनियर खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे ट्रॉफी के 6 दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जाएगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।'

इस निर्देश से यह धारणा भी टूटेगी कि चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर सिर्फ कोहली और रोहित का उदाहरण देना चाहते हैं जिन्हें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह को धर्मशाला में तीसरे टी20 से पहले निजी कारणों से घर लौटना पड़ा। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उनके करीबी परिजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने कहा, 'सब कुछ ठीक रहा तो वह चौथे या पांचवें मैच के लिये लौट सकते हैं।'

जीएस दिल्ली एसेस ने पहली बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

अहमदाबाद ।GS दिल्ली एसेस ने यहां टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के फाइनल में यश मुंबई ईगल्स पर 51–36 से शानदार जीत के साथ पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। बेल्जियम की खिलाड़ी सोफिया कोस्टौलास ने रविवार देर रात एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिया भाटिया को 18–7 से हराकर महिला एकल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। कोस्टौलास और जीवन नेदुनचेझियान की मिश्रित युगल जोड़ी ने दमदार रिटर्न और आत्मविश्वास से भरे नेट प्ले के साथ भाटिया और निकी पुनाचा की जोड़ी को 16–9 से हराकर दिल्ली एसेस की बढ़त को और मजबूत कर दिया ।पुरुष एकल में मुंबई ईगल्स के विश्व नंबर 57 दामिर जुम्हूर ने बिली हैरिस को 16–9 से हराया कुछ हद तक टीम की वापसी कराई लेकिन जीएस दिल्ली एसेस के पास अब भी 11 अंकों की बढ़त थी। पुरुष युगल हैरिस और नेदुनचेझियान ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए निकी पुनाचा और जुम्हूर को 8–4 से हराकर दिल्ली की जीत पर मुहर लगा दी।

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड : 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला ।भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है।पंड्या ने इस मैच में एक विकेट लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए।अब इस प्रारुप में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले वह पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। उनके अलावा केवल स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने ही ये कारनामा किया है।पंड्या इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं।उनसे पहले अर्शदीप सिंह ने 109 और जसप्रीत बुमराह ने इस प्रारुप में 101 विकेट लिए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की।अब वरुण सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव ने 30 मुकाबलों में ये रिकार्ड बनाया है।

भारत ने पहली बार जीता स्क्वाश विश्व कप का खिताब, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

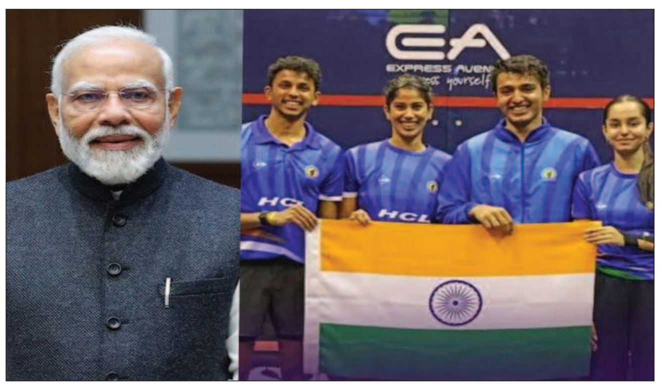

विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज जोशना चिनप्पा ने 37वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली का यी पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत से फाइनल में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह (विश्व रैंकिंग में 29) ने 42वें स्थान पर काबिज एलेक्स लाउ को 3-0 से जबकि 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज टोमाटो हो को इसी अंतर से हराकर भारत के लिए खिताब पक्का कर दिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचने और अपना पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की लगन और दृढ़ संकल्प की तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत देश को प्रेरित करेगी और युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने X पर कहा, 'स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।'

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण अब तक का सबसे बेहतर : ब्रेट ली

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि कप्तान पैट कमिंट की आगुवाई में वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण सबसे बेहतर है।इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक समय जहां उनके साथ ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न और जेसन गिलेस्पी जैसे घातक तेज गेंदबाज थे।वहीं आज के समय में उससे भी बेहतर संयोजन कमिंस , मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लॉयन जैसे गेंदबाजों के पास है।साथ ही कहा कि ये अब तक तक सबसे बेहतर गेंदबाजी आक्रमण माना जा सकता है।इसने सभी पिछले आक्रमणों को पीछे छोड़ दिया है।गौरतलब है कि अबमक कमिंस, स्टार्क, लायन और हेजलवुड ने कुल मिलाकर 389 टेस्ट मैचों में ही 1,586 विकेट निकाल लिय हैं।इन चार में से तीन गेंदबाजों ने 300 विकेट लिये हैं, जबकि हेजलवुड ने 295 विकेट लिए हैं और माना जा रहा है कि वापसी पर हेजलवुड भी 300 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे।कमिंस स्टार्क, हेजलवुड और लायन ने एकसाथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक 35 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से ऑस्ट्रेलियाई टीम को 22 में जीत मिली है जबकि नौ में टीम हारी है।वहीं चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।एक साथ अंतिम ग्यारह में रहते हुए इन चारों ने कुल मिलकर रिकॉर्ड 567 विकेट लिए हैं।वहीं साल 2000 के दशक में ली ने मैकग्रा, वॉर्न और गिलेस्पी के साथ मिलकर कुल 1842 विकेट लिए थे।इन चारों ने मिलकर 16 टेस्ट खेले थे जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 में जीती थी पर इसके बाद भी ली का मानना है वर्तमान समूह ने बेहतर तरीके से उनकी जगह ले ली है।ली ने कहा, मुझे लगता है कि कमिंस और उनके साथी अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं हालांकि किसी भी दौर की दूसरे से तुलना नहीं की जा सकती है पर मैं उन्हें हमसे ऊपर रखूंगा।अगर आप सिर्फ स्टैट्स देखें, तो सभी ने 250 से ज़्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं, और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के G.O.A.T. दौरे पर बोले पूर्व ओलंपिक विजेता अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किए जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही।

कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रूपए के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'जैसे-जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा। इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'एक पल के लिए उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किये जा रहे हैं। यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें। लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्जा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था।'

बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा, 'लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है। शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूं जो उनमे नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता।'

उन्होंने कहा, 'मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं। मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूं। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है।' मेस्सी के G.O.A.T. दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है। बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किए गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

बिंद्रा ने कहा, 'एक समाज के रूप में हम खेल संस्कृति का निर्माण कर रहे हैं या दूर से व्यक्ति पूजा कर रहे हैं। खेलों में महान देश पलों के आधार पर नहीं, तंत्र के आधार पर बनते हैं। संयम के साथ। असाधारण सपने देखने वाले साधारण बच्चे में भरोसा करके।' बिंद्रा ने कहा, 'मेस्सी जैसे आइकन हमे प्रेरित करते हैं और वह प्रेरणा काफी मायने रखती है। लेकिन प्रेरणा का उद्देश्य भी होना चाहिए। दीर्घकालिन प्रतिबद्धता। विकल्प ऐसे चुनने चाहिए जिनसे हम बस आज भर के लिए रोमांचित नहीं हों बल्कि कल को भी मजबूत करें।'

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

कोलंबो ।श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।भ्रष्टाचार जांच आयोग (CIABOC) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (CPC) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था।वह उस समय इसके अध्यक्ष थे।सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था।CIABOC ने कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन को इस मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है।अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया जा सका क्योंकि वे विदेश में हैं।अर्जुन पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे जब दम्मिका सीपीसी के प्रमुख थे। दम्मिका ने 1989–90 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो टेस्ट मैच खेले थे।बाद में वह देश में इस खेल के शासी निकाय श्रीलंका क्रिकेट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बने।

युवा खिलाड़ियों से दुर्व्यवहार कर रहा था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, अनिश्चित काल के लिए लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) ।युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (NSW) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, NSW और एक टी20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है।यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, 'एक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते।' सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

लक्ष्मी गुप्ता 73 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम

वाराणसी ।बालिका सब जूनियर खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से 25 से 27 दिसंबर 2025 तक मऊ जिला खेल कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वाराणसी मंडल की टीम भाग लेगी, जिसके लिए जनपद स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को सुबह 9 :00 से 10 :00 तक वजन एवं 11 :00 बजे से चयन ट्रायल किया गया।बालिकाओं का रिजल्ट इस प्रकार है। 40 किलो में प्रिया यादव43 किलो में प्रिया बिन्द 46 किलो में नेहा पाल 49 किलो मे रितिका कुमारी 53 किलो में सृष्टि यादव 57 किलो में खुशबू कुमारी 61 किलो में आराध्या यादव 65 किलो में खुशी चौहान 69 किलो में होली यादव 73 किलो में लक्ष्मी गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त किया।प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सभी बालिका पहलवान वाराणसी जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे मंडल स्तर पर चंदौली गाजीपुर जौनपुर जनपद भी भाग लेगा।मंडल स्तर पर 18 दिसंबर 2025 को सुबह 10 :00 बजे से 11 :00 तक वजन 12 :00 से चयन ट्रायल डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी में किया जाएगा।

'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं विद्युत जामवाल

विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है।

बोल्ड लुक में नजर आए विद्युत

लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं। विद्युत का फर्स्ट लुक काफी आकर्षक लग रहा है। स्ट्रीट फाइटर 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किताओ सकुराई का है निर्देशन

कैपकॉम के वीडियो गेम से प्रेरित 'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के निर्देशक किताओ सकुराई ने किया है। फिल्म में विद्युत जामवाल के अलावा नोआ सेंटिनियो केन मास्टर्स के रूप में, एंड्रयू कोजी रयू के रूप में, कैलिना लियांग चुन-ली के रूप में, रोमन रेन्स अकुमा के रूप में, डेविड डस्टमाल्चियन एम. बाइसन के रूप में, ब्बब्ब्श्व स्टार कोडी रोड्स गाइल के रूप में, एंड्रयू शुल्ज डैन हिबिकी के रूप में, एरिक आंद्रे डॉन सौवेज के रूप में, कर्टिस 50 सेंट जैक्सन बैलरोग के रूप में और जेसन मोमोआ ब्लैंका के रूप में शामिल हैं। फिल्म में ओरविल पेक वेगा के रूप में, ओलिवियर रिचटर्स जागिफ के रूप में, हिरूकी गोटो ई. होंडा के रूप में, रायना वैलैंडिंगम जूली के रूप में, अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की जो के रूप में, काइल मूनी मार्विन के रूप में और मेल जार्नसन कैमी के रूप में भी नजर आएंगे।

ऐसी है फिल्म की कहानी

1993 में आधारित यह फिल्म आगामी विश्व योद्धा टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके लिए स्ट्रीट फाइटर्स रयू और केन मास्टर्स को रहस्यमयी चुन-ली द्वारा भर्ती किया जाता है। यह लड़ाई इन लड़ाकों को उनके अतीत के बुरे अनुभवों से भी लड़ने के लिए मजबूर करती है।

राधिका आप्टे ने फिल्म साली मोहब्बत से जुड़े अनुभव पर चर्चा की

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राधिका आप्टे, दिव्येन्दु शर्मा और अनुराग कश्यप की फिल्म साली मोहब्बत आई है जो कि थ्रिलर-ड्रामा फिल्म है। हसीन दिलरुबा के बाद बहुत समय के बाद एक ऐसी फिल्म आई है जिसमें प्यार, धोखा, नफरत और मरने-मारने की जिद्द नजर आती है। बातचीत में राधिका ने फिल्म से जुड़े अनुभव पर चर्चा की। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश..

टिस्का ने हमें पूरी आजादी दी

फिल्म 'साली मोहब्बत' की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, 'एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी।'

दिव्येंदु बारीकियों पर काम करने वाले अभिनेता हैं

वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, 'सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा।'

ऐसा किरदार पहले नहीं निभाया

वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतर्मुखी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है, अपने आप में रहती है। इस तरह का स्वभाव मैंने पहले किसी किरदार में नहीं निभाया था।'

कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है, सीखने के तौर पर मैंने किस-किस को प्यार करूं-2 की

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म किस-किस को प्यार करूं-2 शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने आश्रम में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए। हालांकि सीरीज आश्रम के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं। फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी। फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर त्रिधा चौधरी ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छे से लिखी गई है। जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि मीरा कितनी जरूरी है। कई लोगों ने मुझसे पूछा, तुम अकेली हीरोइन नहीं हो तो यह फिल्म क्यों? लेकिन अब समय बदल गया है। हीरोइनों की गिनती से ज्यादा किरदार मायने रखता है। उन्होंने आगे बताया कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। किस-किस को प्यार करूं-2 मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती।

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग पूरी

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही छोटी सरदारनी सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंघा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खास बातचीत में बताया कि ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है।

निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बताओली ने किया है। शौंकी सरदार में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी हैं। टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो मस्तानी में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे छोटी सरदारनी सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं। एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

चाहता था कि लोग मुझे डांसर नहीं, एक्टर समझें

अरशद वारसी ने बॉलिवुड की सेफ स्टोरीज, ओटीटी की आजादी, किरदार में उतरने के अपने तरीके और थिएटर के पुराने दिनों को ऐसे अंदाज में याद किया कि हर बात में उनका अनुभव, ह्यूमर और साफगोई चमक उठी। अरशद कहने से नहीं चूकते कि फेल होने से मत डरिए, मजा तो उसी सफर में है।

अपनी शक्ल भूलकर बस किरदार में घुसना है

अरशद वारसी ने कहा, मैंने जब सर्किट का रोल किया था, तब भी बहुत लोग टपोरी टाइप के किरदार कर चुके थे। इस वजह से हमेशा सोचना पड़ता है कि ऑडियंस को नया क्या दे सकते हैं। मेरे लिए यह जरूरी हो जाता है कि अपने काम में ताजगी और ईमानदारी लाऊं। फिल्म भागवत में भी मैंने एक पुलिसवाले की भूमिका निभाई है और इसमें मेरी ईमानदारी साफ दिखाई दे रही है। मेरा मानना है, जब आप दिल से काम करते हो तो वो खुद-ब-खुद अलग नजर आता है। अगर सिर्फ ऊपर-ऊपर से करोगे तो हर किसी का काम एक जैसा लगेगा। यहां आपको अपनी शक्ल, आदतें भूलकर बस किरदार में उतरना है। किरदार पर फोकस रखो, फिर लोग खुद-ब-खुद आपकी तरफ ध्यान देंगे।

मराठी-साउथ की फिल्में बहुत आगे निकल चुकीं

मुझे नहीं लगता कि बॉलिवुड रिस्की स्टोरीज को स्वीकार करने वाली स्थिति तक अभी पहुंचा है। मराठी और साउथ की फिल्में इस मामले में आगे निकल चुकी हैं। वो एक्सपेरिमेंट कर रहे और रिस्क भी बेहिचक ले रहे हैं। हिंदी सिनेमा अब भी बहुत सेफ कहानियों के साथ खेल रहा और कदम फूंक-फूंककर रख रहा है। दरअसल, फिल्म बनाना एक अलग तरह का जोखिम है इसलिए कहानी चुनने में भी ज्यादा सावधानी बरती जाती है। यही वजह है कि मुझे ओटीटी एक कमाल का प्लैटफॉर्म लगता है। इसने इतने सारे टैलंटेड ऐक्टरों को मौके दिए हैं, जिन्हें पहले फिल्मों में जगह ही नहीं मिल पाती थी। फिल्मों में अक्सर एक खास लुक या बॉडी लैंग्वेज देखी जाती है, जो हर कलाकार में नहीं होती। ऐसे कलाकारों के लिए ओटीटी सच में एक ब्लेसिंग है, यहां कहानी भी खुलकर कही जाती है और कलाकार को भी खुलकर जगह मिलती है।

पूरी सच्चाई से सीन को खुद में उतार लो

मैं जब कोई इमोशनल सीन करता हूं तो न मैकेनिकल मैथड अपनाता हूं और न अपनी असल ज़िंदगी की यादों को इस्तेमाल करता हूं। मेरे लिए यह सब बकवास है। लोग पूछते हैं कि मेरा तरीका क्या है, असल में मेरा कोई मैथड ही नहीं होता। आपको बस उस पल की बात को इतनी इंटेंसिटी से भीतर लेना होता है कि वह सच लगने लगे। एक्टिंग यही है कि एक छोटी सी चीज पर इतना यकीन कर लो कि वह आपको और देखने वाले को भी सच महसूस होने लगे। जिस सीन में जो लिखा है, उसे पूरी रूह के साथ अपने अंदर उतार लो, इमोशन अपने-आप बाहर आ जाते हैं।

सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी

मैंने सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी। इंसान अगर सिर्फ सक्सेस देखे तो जिंदगी का मजा क्या है। जिंदगी में थोड़ी तकलीफ होनी चाहिए। मुझे फेल होने से जरा भी फर्क नहीं पड़ता है।

लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से

अरशद ने कहा, डांसिंग मेरा पैशन है। शुरुआत में जब आया था तो मैंने एक बात कही थी, जो लोगों को बहुत पसंद आई। मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे ऐसे देखें कि ये डांसर है, जो ऐक्टिंग करने की कोशिश कर रहा है। मैं चाहता था कि लोग यह समझें कि ये एक्टर है, जो डांस भी कर सकता है। मैं एक्टिंग के प्रोफेशन में आ रहा था ना कि डांसिंग के प्रोफेशन में जा रहा था। यह बहुत बड़ा फर्क है। मेरी पूरी मेहनत इसी बात पर रही कि लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।